जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 300 ● रायपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

पहला कॉलम

विपक्ष की ओछी हरकतें बताती हैं कि भारत को एक मजबूत नेतृत्व की क्यों जरूरत है : कंगना रनौत

रायपुर। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत छत्तीसगढ़ के रायपुर में ढोलिडा 2026 में हिस्सा लिया। ढोलिडा 2026 शहर के सबसे बड़े नवरात्र रास गरबा आयोजनों में से एक है। अभिनेत्री ने रविवार को कोलकाता भगदड़ हादसा, विपक्ष के रिजीम चेंज बयान और छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बात की। कंगना रनौत ने अष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रायपुर में पहली बार गरबा में शामिल होने का अनुभव बहुत ही शानदार रहा। गुजरात से निकलकर गरबा अब पूरे देश में हो रहा है, जो अच्छी पहल है। विपक्ष की ओर से सत्ता परिवर्तन (रिजीम चेंज) को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, इस तरह की ओछी हरकतें देश को लगातार यह याद दिलाती हैं कि एक मजबूत नेतृत्व की कितनी जरूरत है। आपने देखा कि कल रात फ्रांस में क्या हुआ, वहां सब कुछ आग के हवाले कर दिया गया। ऐतिहासिक इमारतों से लेकर दुकानों तक, हर जगह लूटपाट हुई। लोग यह सब देख रहे हैं।

कोट गांव में भीषण आग, तीन ट्रॉली करब जलकर राख; कच्चे मकान का सामान भी नष्ट

बयाना। बयाना सीओ सर्किल के थाना गढ़ी बाजना क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोट के गांव में बीती रात करीब एक बजे अचानक भीषण आग लगने से किसानों की तीन ट्रॉली करब जलकर राख हो गई। आग ने पास स्थित एक कच्चे मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घर में रखा अनाज, बिस्तर, खाट और अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। आग की लपटें देखकर मकान में सो रहे व्यक्ति ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। घटना से पीड़ित परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, बीती रात अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आग देखकर पड़ोसियों ने शोर मचाकर ग्रामीणों को सूचना दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास रखी करब के साथ कच्चे मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया।

पोषण से भरपूर बैंगनी आलू 'कुफरी जामुनिया' से दूर होगी छिपी भूख की चुनौती

नई दिल्ली। देश में पोषण सुरक्षा को मजबूत बनाने और आवश्यक विटामिन एवं खनिजों की कमी से उत्पन्न होने वाली 'छिपी भूख' की समस्या से निपटने के लिए भारतीय कृषि वैज्ञानिकों ने पोषक तत्वों से भरपूर आलू की रंगीन किस्में विकसित की हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीपीआरआई) द्वारा विकसित इन किस्मों में कुफरी नीलकंठ, कुफरी माणिक और कुफरी जामुनिया प्रमुख हैं। इनमें कुफरी जामुनिया अपने आकर्षक बैंगनी गूदे और बेहतर पोषण गुणों के कारण विशेष महत्व रखती है। कुफरी जामुनिया में विटामिन-सी, एंथोसायनिन, कैरोटीनॉयड, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

मणिपुर हिंसा-सीआरपीएफ के तीन जवानों समेत कई घायल

अलग-अलग घटनाओं में सात की मौत,भीड़ ने 28 घर फूंके...



इंफाल। मणिपुर में 18 और 19 अक्टूबर को हिंसा की तीन अलग-अलग घटनाओं से तनाव बढ़ गया। एक तरफ थौबल जिले के खांगाबोक में पत्थरबाजी के बाद दो समुदायों के बीच तनाव फैल गया, तो दूसरी ओर काकवा लामदाइबुंग में आईईडी धमाका हुआ। इसके अलावा, सागोलमांग थाना क्षेत्र के सुनुलोक पहाड़ी इलाके में लकड़ी काटने और ले जाने गए ग्रामीणों पर हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी कर दी। इन घटनाओं में कुल सात लोगों की मौत हुई है। वहीं, सीआरपीएफ के तीन जवानों समेत कई लोग घायल हुए हैं। मणिपुर पुलिस के एडीजीपी ल्हारी दोर्जी ल्हातू ने घटनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सभी मामलों की जांच की जा रही है और आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, 18 अक्टूबर की रात करीब 11:20 बजे थौबल जिले के खांगाबोक पाली बाजार में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की। इसके बाद दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया और खांगाबोक तथा संगकफम के लोग भी इसमें शामिल हो गए। हालात बिगड़ने पर गोलीबारी और हिंसा की घटनाएं हुईं। इस दौरान एक व्यक्ति को गोली लगी। उसे राज मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां रात करीब 12:40 बजे उसकी मौत हो गई। कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं। स्थिति को संभालने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), सीआरपीएफ असम राइफल्स और पुलिस की अतिरिक्त टीमें मौके पर भेजी गईं। सुरक्षा बलों ने रात करीब 1:50 बजे तक हालात पर काबू पा लिया। पुलिस अब पत्थरबाजी और गोलीबारी में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है और इलाके में अवैध हथियारों की तलाश भी की जा रही है। दूसरी घटना रात करीब 11:41 बजे काकवा लामदाइबुंग लम्फक इलाके में हुई। यहां सिंगजामेई पुलिस थाने के पास आईईडी धमाका हुआ, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए राज मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडीजीपी ने बताया कि पुलिस को इस घटना से जुड़े कुछ सुराग मिले हैं। उनकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। 19 अक्टूबर की सुबह करीब 9:40 बजे सुनुलोक पहाड़ी इलाके में हथियारबंद लोगों ने 14 मैतेई ग्रामीणों के एक समूह पर गोलीबारी कर दी।

लकड़ी लेने गए ग्रामीणों पर गोलीबारी, तीन की मौत

19 अक्टूबर की सुबह करीब 9:40 बजे सुनुलोक पहाड़ी इलाके में हथियारबंद लोगों ने 14 मैतेई ग्रामीणों के एक समूह पर गोलीबारी कर दी। ये ग्रामीण खोंगबल के आगे तांगखुल इलाके में लकड़ी काटने और उसे ले जाने के काम में जुटे थे। यह जगह सागोलमांग पुलिस थाने के अंतर्गत आती है। गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने बताया कि हमले में शामिल लोगों को लेकर कुछ अहम जानकारियां मिली हैं। मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पुलिस, सीआरपीएफ कोबरा कमांडो, असम राइफल्स और बीएसएफ की संयुक्त टीमें प्रभावित इलाकों में अभियान चला रही हैं। संदिग्धों की तलाश के लिए खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। इलाकों में तलाशी अभियान के साथ खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली जा रही है। हवाई निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए हैं। जिला स्तर पर आपात योजनाओं को सक्रिय कर दिया गया है। जगह-जगह संयुक्त नाके लगाए गए हैं और मोबाइल जांच चौकियों के जरिए वाहनों तथा लोगों की जांच की जा रही है।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के तीनों आरोपी गिरफ्तार

मुंबई/ एजेंसी



मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में राजस्थान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे कोटा रेलवे स्टेशन पर पकड़े गए आरोपियों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे। इसके बाद उनका प्लान बस से दिल्ली पहुंचकर नेपाल भागने का था, लेकिन कोटा पुलिस ने महज 15 मिनट में ट्रेन की तलाशी लेकर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी 17 वर्षीय फूल सिंह, 18 वर्षीय रेहान और बिहार के बेगूसराय मूल निवासी 22 वर्षीय ऋतिक कुमार उर्फ रोशन के रूप में हुई है। ऋतिक मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके में रहता था और बाइक टैक्सी चालक के तौर पर काम करता था। पुलिस अब तीनों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फायरिंग की साजिश कैसे रची गई, आरोपियों को किसने निर्देश दिए और इस घटना में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं। पुलिस के अनुसार, मुंबई में फायरिंग की घटना के बाद आरोपियों ने शहर से बाहर निकलने की कोशिश की थी। उनकी गतिविधियों और सफर से जुड़े सुरागों के आधार पर राजस्थान पुलिस को जानकारी मिली। इसके बाद एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और कोटा पुलिस की टीम ने ट्रेन में कार्रवाई कर तीनों को पकड़ लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी पुणे-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए मुंबई पुलिस और राजस्थान पुलिस के बीच समन्वय किया गया।

मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही मामले की जांच- टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज के साथ आरोपियों की गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

दो बार के पैरालंपिक रजत पदक

निषाद कुमार ने लंबी कूद में जीता स्वर्ण,भारत को मिला दूसरा गोल्ड.....



नई दिल्ली। भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक! दो बार के पैरालंपिक रजत पदक विजेता निषाद कुमार ने पुरुषों की टी47 लंबी कूद स्पर्धा में 7.11 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में दो बार 7.11 मीटर की छलांग लगाई। निषाद ने दूसरे प्रयास में 7.09 मीटर की छलांग के साथ बढ़त हासिल की और तीसरे प्रयास में इसे 7.11 मीटर तक पहुंचा दिया। उन्होंने अंत तक अपना दबदबा बनाए रखते हुए खिताब जीत लिया। लंबी कूद निषाद की दूसरी स्पर्धा है, लेकिन उन्होंने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को प्रतियोगिता का दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। उज्बेकिस्तान के ओमादबेक खासानोव ने 6.99 मीटर की छलांग के साथ रजत, जबकि श्रीलंका के मोहम्मदू सफ्रान ने 6.55 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। एशियाई पैरा खेलों की पदक तालिका में भारत फिलहाल सातवें स्थान पर है। भारत ने अब तक दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक समेत कुल पांच पदक जीते हैं। पदक तालिका में चीन, जापान और कजाखस्तान शीर्ष तीन स्थानों पर बने हुए हैं। भारत की भाविना पटेल ने पैरा टेबल टेनिस की महिला एकल क्लास 4-5 स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचकर कम से कम एक पदक पक्का कर लिया है।उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीन की मियाओ झांग को 3-1 से हराया। भाविना ने यह मुकाबला 8-11, 11-6, 11-1, 11-6 से अपने नाम किया।

निषाद कुमार ने लगातार तीसरी बार बेहतर किया गया अपना प्रदर्शन

निषाद कुमार ने लगातार तीसरी छलांग में अपना प्रदर्शन और बेहतर किया। बाकी खिलाड़ी उनकी पहली छलांग की बराबरी भी नहीं कर पा रहे हैं। भारत का दूसरा स्वर्ण पदक लगभग पक्का नजर आ रहा है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर मौत बनकर दौड़ी थार, 3 दोस्तों की दर्दनाक मौत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर तड़के एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा नागल क्षेत्र में बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर हुआ, जहां तेज रफ्तार थार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी ओर पलट गई। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवक आगरा के रहने वाले थे और अपने दोस्तों के साथ हरिद्वार जा रहे थे।

वर्दी में लापरवाही की हदें पार!

नशे में धुत मिले एएसआई और आरक्षक,लावारिस पड़ी थी राइफल,मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो..

अंबिकापुर। संवाददाता



छत्तीसगढ़ के सरगुजा से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक एएसआई और आरक्षक शराब के नशे में धुत्त पड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं उनका इंसास राइफल भी लावारिस हालत में पड़ा दिखाई दे रहा है, जो एक घोर लापरवाही को उजागर करता है। जानकारी के मुताबिक, एएसआई और आरक्षक शराब के नशे में प्रतीक्षा बस स्टैंड के पास नशे में चित पड़े मिले। बताया जा रहा है कि दोनों पुलिसकर्मी दुर्ग जिले में पदस्थ है और दुर्ग से कैदी लेकर अंबिकापुर जेल में शिफ्ट करने आए थे। स्थानीय लोगों ने जब दोनों पुलिसकर्मियों को नशे में धुत्त पड़े देखा, तो उन्होंने इसकी जानकारी बस स्टैंड चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लावारिस हालत में पड़े इंसास राइफल को अपने कब्जे में लिया। मामले की गंभीरता को देख वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया है। वहीं दोनों पुलिसकर्मीयों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि एएसआई और आरक्षक शराब के नशे में पूरी तरह से धुत्त पड़े हुए हैं। वहीं उनका इंसास राइफल भी लावारिस हालत में पड़ा है।इस पूरे घटनाक्रम के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने एएसआई जीवन प्रकाश एक्का और आरक्षक ऋषिकांत त्रिपाठी को निलंबित कर दिया है।



हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के संजौली में,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक पारंपरिक वेशभूषा में रूट मार्च में हिस्सा ले रहे हैं।

आइएएस के नाम पर फर्जी एकाउंट

88 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार...

रायपुर। साइबर थाना रायपुर की टीम ने दो अलग-अलग साइबर अपराधों में शामिल दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। एक आरोपी पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। वहीं दूसरे आरोपी को शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच देकर 88 लाख रुपए की ठगी के मामले में



पकड़ा गया है। जांच में आरोपियों से जुड़े बैंक खाते के खिलाफ देश के विभिन्न 11 थाना और साइबर सेल में शिकायतें दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

बेचने निकला तो पुलिस ने रंगे हाथों दबोचा

आठ साल तक छिपाकर रखे हीरे,10.15 लाख का माल बरामद

धमतरी। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित पायलीखंड खदान क्षेत्र से हीरे जैसे बहुमूल्य पत्थर चोरी करने के मामले में धमतरी पुलिस ने 64 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि भाटापारा निवासी विनोद अग्रवाल इन पत्थरों को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। उसके कब्जे से 146 नग पत्थर बरामद किए गए हैं, जिनका शुद्ध वजन 13.49 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 10 लाख 15 हजार 200 रुपये आंकी है। धमतरी पुलिस के मुताबिक, 18 अक्टूबर को पुलिस की टीम इलाके में गश्त और अपराधों की पतासाजी कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि नेशनल हाईवे-30 पर कोड़ापार नहर पुलिया के पास एक व्यक्ति बहुमूल्य पत्थर लेकर खड़ा है और उन्हें बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलने के बाद बिरेझर पुलिस और साइबर थाने की टीम मौके पर पहुंची। घेराबंदी कर संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद अग्रवाल, उम्र 64 वर्ष, निवासी केके वार्ड, भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा बताया। पुलिस की तलाशी में आरोपी के पास पॉलीथीन में रखे 146 सफेद, चमकदार और पारदर्शी पत्थर मिले। ये नीले और फिरोजी रंग की झिल्ली में लिपटे हुए थे।



पुलिस ने इन पत्थरों को हीरा बताया है। जब्त पत्थरों का कुल वजन 16.17 ग्राम और शुद्ध वजन 13.49 ग्राम दर्ज किया गया है। इनकी अनुमानित कीमत 10 लाख 5 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मेमोरेंडम कथन में उसने बताया कि इन पत्थरों को वर्ष 2018 में गरियाबंद जिले के पायलीखंड खदान क्षेत्र से चोरी किया था। अब वह इन्हें बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। इस कथन और बरामदगी के आधार पर पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की। हीरे जैसे पत्थरों के अलावा पुलिस ने आरोपी के पास से सैमसंग ल्डुद्यड्डु×4 स्ा21 स्नश्च 5त्त मोबाइल फोन और दो सक्रिय सिम कार्ड भी जब्त किए हैं। मोबाइल की अनुमानित कीमत 8 हजार रुपये बताई गई है। इसके साथ ही 2,200 रुपये नकद भी मिले हैं। पुलिस ने विनोद अग्रवाल के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 21(4) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। उसे 19 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया।

जनता के गोठ की आवाज सतर्क रहें , सुरक्षित रहें

दुर्ग में Fore& Trading Institute के नाम पर 18.63 लाख की ठगी , आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग में Fore& Trading Institute में निवेश के नाम पर 18.63 लाख रूपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने मीनल चौहान को गिरफ्तार किया।

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग /जनता के गोठ। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में Fore& Trading Institute खोलने और निवेश पर अच्छा मुनाफ़ा दिलाने का भरोसा देकर कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने 35 वर्षीय मीनल चौहान को गिरफ्तार किया है। शिकायत के मुताबिक, निवेश और संस्थान के संचालन से जुड़े खर्चों के नाम पर 21.96 लाख रूपये से अधिक लिए गए थे, जिनमें से करीब 3.33 लाख रूपये ही वापस किए गए। शेष 18. 63 लाख अधिक की रकम वापस नहीं मिलने पर शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318 (4) और 351 (3) के तहत मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी की कार भी जब्त की गई। फिलहाल मीनल चौहान न्यायिक रिमांड पर है।

मुनाफे का भरोसा देकर निवेश लेने का आरोप

दुर्ग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोजराज अग्रवाल के मुताबिक, शिकायतकर्ता अक्षय राठौर कृषि व्यवसाय से जुड़े हैं। एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात मीनल चौहान से हुई थी। आरोप है कि मीनल ने रायपुर के VIP चौक स्थित करेंसी टावर में फिनविज़न ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू



करने की योजना के बारे में बताया और इसमें निवेश करने पर अच्छा मुनाफ़ा मिलने का भरोसा दिलाया।

शिकायत में बताया गया है कि दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच अलग-अलग बैंक खातों के माध्यम से 21 लाख 96 हजार रूपये से अधिक की रकम ली गई। यह पैसा स्टाफ की सैलरी, कार्यालय का किराया, मेंटेनेंस, विज्ञापन और अन्य खर्चों के लिए लिया गया था।

शिकायतकर्ता के अनुसार, कुल रकम में से करीब 3 लाख 33 हजार रूपये वापस किए गए। इसके बाद भी 18 लाख 63 हजार रूपये से अधिक की राशि वापस नहीं मिली। रकम लौटाने को लेकर समस्या आने के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क किया ।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इस दौरान भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 351 (3) के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मीनल चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी कार भी जब्त कर ली गई है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले में सामने आए आरोपों की कानूनी स्थिति का निर्धारण न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगी। जनता के गोठ पत्रिका और दुर्ग पुलिस की अपील - निवेश करने से पहले दस्तावेजों की जांच अवश्य करें ।।

इस मामले के बीच पुलिस ने लोगों से किसी भी निवेश योजना या ट्रेडिंग इंस्टीट्यूट में पैसा लगाने से पहले सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस के मुताबिक, निवेश करने से पहले संबंधित संस्था का पंजीयन, जरूरी दस्तावेज और विश्वसनीयता की जांच करना जरूरी है।

यदि किसी योजना में कम समय में अधिक मुनाफ़ा देने का भरोसा दिलाया जा रहा है, तो बिना जांच-पड़ताल के पैसा लगाने से बचना चाहिए। किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने की अपील की गई है।

दशहरा उत्सव में शामिल हुए खड़्ग राज कुमार सिंह, सरोधी और तेली टोला में ग्रामीणों से की मुलाकात



सहसपुर लोहारा/जनता के गोठ। क्षेत्र में दशहरा पर्व पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर खड़्ग राज कुमार सिंह ने ग्राम सरोधी और तेली टोला पहुंचकर दशहरा उत्सव में सहभागिता की। दोनों गांवों में ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खड़्ग राज कुमार सिंह ने कहा कि दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी परंपरा, संस्कृति और पूर्वजों की विरासत से जुड़ा उत्सव है। उन्होंने सहसपुर लोहारा राजपरिवार और क्षेत्र के 84 गांवों के बीच पीढ़ियों से चले आ रहे संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि समय और व्यवस्थाएं बदलने के बावजूद क्षेत्रवासियों के साथ आत्मीय रिश्ता आज भी कायम है।

उन्होंने कहा कि रिश्ते पद और व्यवस्था से नहीं, बल्कि दिल से निभाए जाते हैं। पूर्वजों ने क्षेत्र के लोगों के साथ जो संबंध स्थापित किए, उसे आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सम्मान प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना भी महत्वपूर्ण है।

खड़्ग राज कुमार सिंह ने कहा कि दशहरा पर्व हमें सत्य और अच्छाई के मार्ग पर चलने तथा आपसी मतभेद भुलाकर समाज और क्षेत्र की प्रगति के लिए मिल-जुलकर काम करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शिक्षा और मेहनत के बल पर आगे बढ़ें, लेकिन अपने गांव, बुजुर्गों और देवी-देवताओं को कभी न भूलें।

इस अवसर पर उन्होंने मां दुर्गा, कुल देवी-देवताओं और पूर्वजों से क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने किसानों की खुशहाली, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और प्रत्येक परिवार में सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

सरोधी के बाद तेली टोला पहुंचे खड़्ग राज कुमार सिंह ने ग्रामीणों के साथ दशहरा उत्सव में भाग लिया। दोनों गांवों में पर्व के दौरान उत्साह, उल्लास और आत्मीयता का माहौल रहा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में आयोजित हुआ समारोह, राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं नशामुक्त भारत का दिया संदेश

ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स सम्मानित, हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश के लिए किया गया रवाना।



कवर्धा /जनता के गोठ। राष्ट्रीय एकता दिवस-2026 के अवसर पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' एवं 'नशामुक्त भारत, सशक्त भारत' का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय बाइक रैली का कबीरधाम जिले में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। दिनांक 18 अक्टूबर को जिले में पहुंचने पर सिग्नल चौक, कवर्धा में ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का पुष्पमाला पहनाकर एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने, अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण एवं सकारात्मक गतिविधियों में लगाने तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना पुलिस को देकर नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की।

ऑडिटोरियम में हुआ भव्य अभिनंदन समारोह

दिनांक 19 अक्टूबर को पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम, कबीरधाम में राष्ट्रीय बाइक रैली का अभिनंदन एवं फ्लैग ऑफ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित रहे। कलेक्टर तूलिका प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव सहित जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, बाइक राइडर्स एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पमाला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को किया स्मरण

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज हम जिस एकीकृत भारत को देखते हैं, उसके निर्माण में लौहपुरुष सरदार पटेल का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित यह बाइक रैली केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने की यात्रा नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्रीय चेतना का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने में अखिल भारतीय सेवाओं एवं साझा व्यवस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं, जीएसटी, आधार, वन नेशनडब्लूवन राशन कार्ड तथा राष्ट्रीय पावर ग्रिड जैसी व्यवस्थाएं देश के विभिन्न हिस्सों को एक सूत्र में जोड़ने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारों एवं राजनीतिक दलों में मतभिन्नता हो सकती है, लेकिन देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था सर्वोपरि है। उन्होंने युवाओं से सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

नक्सलवाद के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों एवं सुरक्षा बलों के बलिदान को किया नमन

उप मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों, पुलिस, प्रशासन एवं विभिन्न एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से शांति स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। उन्होंने देश की सुरक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले जवानों को नमन करते हुए कहा कि स्थायी शांति, विकास, बेहतर शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से ही प्रभावित क्षेत्रों को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने तथा देश की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लेने की अपील की।

'FIGHT AGAINST DRUGS' के माध्यम से नशामुक्त भारत का संदेश

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित यह देशव्यापी बाइक रैली सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं नशे के विरुद्ध जनजागरूकता का संदेश प्रसारित कर रही है। दिनांक 04 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ यह रैली देश के 28 राज्यों एवं 08 केंद्रशासित प्रदेशों से गुजरते हुए 31 अक्टूबर 2026 को गुजरात के एकता नगर में संपन्न होगी।

दुर्ग में नौकरी दिलाने के नाम पर 99 हजार की ठगी का आरोप , आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग में महिला की शिकायत के बाद 99 हजार रूपये लेने के आरोप में शुभम सराहुकी गिरफ्तार



अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ। दुर्ग - दुर्ग में काम दिलाने का भरोसा देकर एक महिला से 99 हजार रूपये लेने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने शुभम सराहुकी को गिरफ्तार किया है। महिला की शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने उससे 80 हजार रूपये नकद और 19 हजार रूपये ऑनलाइन लिए थे। पुलिस ने आरोपी के पास से 10 हजार रूपये नकद जब्त किए हैं।

यह मामला दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। महिला ने 17 अक्टूबर को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, जिसके बाद आरोपी

को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

महिला ने शिकायत में क्या बताया ?

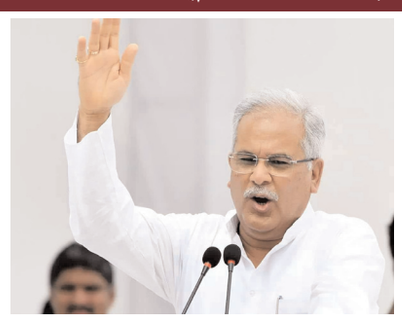
महिला ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि शुभम सराहुकी ने उसे काम दिलाने का भरोसा दिया था। इसी दौरान उससे कुल 99 हजार रूपये लिए गए। महिला का यह भी आरोप है कि उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के अनुसार, रकम में 80 हजार रूपये नकद और 19 हजार रूपये ऑनलाइन भुगतान के जरिए दिए गए थे। इन आरोपों के आधार पर मोहन नगर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में शुभम सराहुकी (30), निवासी सेक्टर-7, भिलाई नगर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान उसके पास से 10 हजार रूपये नकद जब्त किए गए। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

SIR को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल का भाजपा पर हमला

निर्वाचन आयोग से सवाल करते हैं, जवाब भाजपा देती है: भूपेश बघेल

कवर्धा/जनता के गोठ। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्ट्रक्र को लेकर भाजपा और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग से सवाल पूछने पर भाजपा जवाब देती है। बघेल ने कवर्धा में 67 हजार मतदाताओं के नाम काटे जाने के दावे पर सूची सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई। साथ ही बांग्लादेशी घुसपैठ और प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के बयानों को लेकर भी सवाल खड़े किए।

दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कवर्धा जिले के नेवारीगुड़ा पहुंचे थे, जहां एक ही पंडाल के नीचे स्थापित 117 देवी-देवताओं के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने स्ट्रक्र और मतदाता सूची से नाम काटे जाने के मुद्दे पर भाजपा और निर्वाचन आयोग को घेरा।भूपेश



बघेल ने दावा किया कि देश में 13 करोड़ और छत्तीसगढ़ में 25 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस निर्वाचन आयोग से सवाल करती है, तो जवाब भाजपा की ओर से क्यों दिया जाता है? बघेल ने आरोप लगाया कि इससे निर्वाचन आयोग और भाजपा के बीच अंतर को लेकर सवाल खड़े होते हैं।

कवर्धा में 67 हजार मतदाताओं के नाम काटे जाने के मुद्दे पर उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा के बयान पर पलटवार करते हुए नामों की सूची सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि इतने लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, तो इसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए।

बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर भी बघेल ने भाजपा को घेरा। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र में पिछले 12 वर्षों से भाजपा की सरकार है, ऐसे में घुसपैठ रोकने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई? वहीं, प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि विधानसभा में तीन बार सवाल पूछे जाने के बावजूद जवाब नहीं मिला। इसे लेकर उन्होंने गृहमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

नंदनी कुमान गांव पहुंची कलेक्टर, गांव की सभी समस्या को तत्काल निराकरण के दिए निर्देश



कवर्धा/जनता के गोठ। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को लेकर जिला प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने बोड़ला विकासखंड के ग्राम कुमान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण और सर्वे कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव के प्रत्येक बच्चे की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए और बीमारी, कमजोरी या कुपोषण के लक्षण मिलने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए। वीओः कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कहा कि बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करना होगा, ताकि वनांचल क्षेत्र के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंच सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम कुमान के सभी घरों का डोर-टू-डोर सर्वे पहले ही किया जा चुका है। इसके बावजूद कलेक्टर ने दोबारा सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को घर-घर जाकर बच्चों की शारीरिक स्थिति, वजन और पोषण स्तर की जांच करने को कहा। विशेष रूप से कम वजन वाले और शारीरिक रूप से कमजोर बच्चों को चिन्हांकित कर उनकी विस्तृत स्वास्थ्य जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जरूरत के अनुसार कमजोर और कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराने की व्यवस्था की जाए। साथ ही बच्चों को समय पर उचित उपचार, पौष्टिक आहार और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान कोई भी घर या बच्चा छूटना नहीं चाहिए। प्रत्येक बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या की पहचान समय रहते कर आवश्यक कदम उठाए जा सकें। प्रशासन का उद्देश्य वनांचल के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और कुपोषण की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण करना है।

भक्ति में रमे डिप्टी सीएम विजय शर्मा, मंजीरा लेकर गाए जसगीत, ऑटो से पहुंचे मां दुर्गा के दरबार

कवर्धा/जनता के गोठ। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा का भक्तिमय अंदाज देखने को मिला। कहीं वे हाथों में मंजीरा लेकर ग्रामीणों के साथ जसगीत गाते नजर आए, तो कहीं आम आदमी की तरह ऑटो में सवार होकर मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंचे। उप मुख्यमंत्री का यह सहज और आत्मीय अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। बीती रात उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम ढोंघा और कोडार में आयोजित मां दुर्गा पूजन एवं ज्योति कलश पूजन कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने माता के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। भजन-कीर्तन के बीच उन्होंने स्वयं हाथों में मंजीरा थाम लिया और ग्रामीणों के साथ जसगीत गाने लगे। ढोलक, झांझ और मंजीरे की थाप पर वे भक्ति रस में झूमते नजर आए। माता के जयकारों से पूरा



माहौल भक्तिमय हो गया।

इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने नेवारीगुड़ा में सजे भव्य दुर्गा पंडाल में भी पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए। खास बात यह रही कि वे किसी विशेष वाहन या बड़े काफ्लि के बजाय ऑटो में सवार होकर गांव पहुंचे। अचानक ऑटो से पहुंचे उप मुख्यमंत्री को देखकर वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। उनका यह अंदाज लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना।

नेवारीगुड़ा में एक ही परिसर में 51 शक्तिपीठों, देशभर के 117 देवी-देवताओं और चारों धाम के दर्शन की व्यवस्था की गई है। इस अनूठे धार्मिक आयोजन के लिए विजय शर्मा ने ग्रामीणों और दुर्गा समिति के सदस्यों की सराहना की।

धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात भी की। उन्होंने लोगों की समस्याएं और मांगें सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। नवरात्रि के दौरान विजय शर्मा का यह भक्तिमय और सहज रूप लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

वहीं बेटियों के सम्मान, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत वीर सावरकर



भवन, कवर्धा में बालिका सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 551 बालिकाओं का पारंपरिक विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा उपहार भेंटकर शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके पैर धोए गए, महावर लगाया गया और तिलक लगाकर पूजन किया गया। इसके पश्चात सभी बालिकाओं को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी रश्मि शर्मा ने प्रत्येक बालिका को उपहार भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बालिकाओं को कॉपी, पेंसिल, रबर, रुमाल और रंगीन पेंसिल सहित उपयोगी सामग्री प्रदान की गई, ताकि वे पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों।

दशहरा मैदान में 20 अक्टूबर को शाम 6 बजे से मनेगा विजयादशमी उत्सव, रामलीला का मंचन रहेगा मुख्य आकर्षण

ग्राम सांकरा में भव्य आतिशबाजी के साथ होगा रावण दहनः युवा सरपंच रवि सिंगौर लगातार 16वें वर्ष करेंगे श्री हनुमान पाठ

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

सांकरा। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का महापर्व विजयादशमी ग्राम सांकरा में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान में आगामी 20 अक्टूबर (मंगलवार) को शाम 6:00 बजे से स्थानीय दशहरा मैदान में भव्य रावण दहन, आकर्षक आतिशबाजी एवं रामलीला का विशेष आयोजन किया गया है।





कार्यक्रम का सबसे मुख्य और आध्यात्मिक आकर्षण युवा सरपंच रवि सिंगौर द्वारा किया जाने वाला श्री हनुमान पाठ होगा। सरपंच रवि सिंगौर अपनी अनूठी धार्मिक परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष लगातार 16वें साल पूरे विधि-विधान से हनुमान जी का पाठ करेंगे।

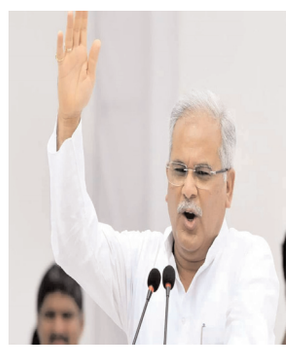
ग्राम सांकरा में विजयादशमी पर्व मनाने की समृद्ध परंपरा वर्षों से चली आ रही है। इस वर्ष भी आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए ग्रामीणों और युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। मैदान में रावण दहन के साथ-साथ होने वाली रंगारंग आतिशबाजी और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित जीवंत रामलीला का मंचन दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा।

दशहरा उत्सव समिति द्वारा मैदान में बैठक, प्रकाश एवं सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति ने ग्राम सांकरा सहित आसपास के सभी ग्रामीण क्षेत्रों के धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं और बहनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार उपस्थित होकर दशहरा उत्सव की शोभा बढ़ाएं।

कवर्धा के मतदाता सूची में 67 नाम काटने को लेकर भूपेश बघेल के सवाल पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया पलटवार

जनता के गोठ। छत्तीसगढ़ में SIR यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाते हुए कवर्धा में 67 हजार मतदाताओं के नाम काटे जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सूची सार्वजनिक करने की मांग करते हुए प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा की कार्यशैली पर भी निशाना साधा। अब उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूपेश बघेल के आरोपों का जवाब दिया है। आखिर SIR को लेकर दोनों नेताओं के बीच क्यों बढ़ा विवाद और मतदाता सूची में नाम कटने के दावे पर क्या है पूरा मामला? देखिए यह रिपोर्ट।





दरअसल उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने एक बयान पर कहा था कि बाहरी लोगों के नाम यदि आएंगे तो सौ बार ऐसे नाम काटे जाएंगे, उन्होंने पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर के कार्यकाल में बाहरी लोगों के नाम जोड़ें जाने का आयोप भी लगाया था जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विजय शर्मा पर पलटवार करते हुए कहा था कि हम निर्वाचन आयोग से सवाल पूछते हैं तो बीजेपी वाले जवाब देते हैं प्रदेश में जो नाम काटे गए हैं उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं करते। अब इस मामले में एक बार फिर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूपेश बघेल पर पलटवार करते हुए कहा है कि मैंने जब मोहम्मद अकबर के समय में जो बाहरी लोगों का नाम जोड़ा गया था उसका विषय उठाया था, हम ये कह रहे हैं कि किस तरह से एक स्थान से ज्यादा स्थानों पर नाम हो तो वो कटना चाहिए ये मैं भूपेश बघेल को बताना चाहता हूं।

आगजनी की निष्पक्ष जांच और सुरक्षा ऑडिट कराए एनएमडीसीः नवनीत चांद

नवनीत चांद बोले—आगजनी की निष्पक्ष जांच के साथ पूरे प्लांट का सुरक्षा ऑडिट कराए एनएमडीसी

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर,। नगरनार स्टील प्लांट में आगजनी की घटना के बाद औद्योगिक सुरक्षा और प्रबंधन की जवाबदेही को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चांद ने एनएमडीसी प्रबंधन और जिला प्रशासन से वर्तमान घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा पूर्व दुर्घटनाओं की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग है



नवनीत चांद ने वर्ष 2024 में स्टील मेल्टिंग शॉप में आग लगने से छह लोगों के झुलसने की घटना का उल्लेख करते हुए पूछा कि पिछली दुर्घटनाओं के बाद सुरक्षा में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए और जिम्मेदारियों का निर्धारण किस आधार पर किया गया उन्होंने जांच रिपोर्ट, सुरक्षा संबंधी कमियों और की गई कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक करने की मांग है

उन्होंने पूरे प्लांट का स्वतंत्र तकनीकी सुरक्षा ऑडिट कराने, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, मशीनरी, आपातकालीन निकासी मार्ग और कर्मचारियों को उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों की समीक्षा करने पर जोर दिया। साथ ही पुलिस, प्रशासन और अग्निशमन विभाग को सूचना देने की प्रक्रिया की भी जांच की मांग की

नवनीत चांद ने कहा कि कर्मचारियों और संविदा श्रमिकों की सुरक्षा औद्योगिक प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही प्रमाणित होने पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए

उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास केवल उत्पादन और मुनाफे से नहीं, बल्कि श्रमिकों के सुरक्षित जीवन से भी मापा जाना चाहिए। एनएमडीसी प्रबंधन और संबंधित विभाग जांच की स्थिति, सुरक्षा ऑडिट के निष्कर्ष तथा सुधारात्मक कदमों की जानकारी सार्वजनिक करें, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

बड़ांजी में सामुदायिक वन भूमि पर कब्जे का आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग

पांच सगे भाइयों के खिलाफग्रामीणों ने उठाई आवाज, बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की

जनता के गोठ/जगदलपुर

बड़ांजी/बस्तर। लोहण्डीगुड़ा तहसील के ग्राम बड़ांजी में सामुदायिक वन पट्टा भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला गरमा गया है। खसरा नंबर 1076, रकबा 0.27 हेक्टेयर भूमि को लेकर ग्रामीणों ने पांच सगे भाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।



जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष व मुख्य संयोजक नवनीत चांद के आह्वान पर बस्तर ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप ग्रामीणों के साथ मामले को प्रशासन के समक्ष उठाने पहुंचे।

ग्रामीणों का आरोप है कि सामुदायिक वन अधिकार के अंतर्गत प्राप्त भूमि पर कब्जे से पूरे गांव के निस्तार और सामुदायिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। शिकायत में माधव राम नाग, मुनिवर नाग, टंकेश्वर नाग, नरसिंह नाग और पवन नाग के नाम शामिल हैं। ग्रामीणों ने इनमें से दो व्यक्तियों के शासकीय सेवा में होने का उल्लेख करते हुए उनकी भूमिका की भी जांच करने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, सामुदायिक भवन के सामने या पास में दो कमरों का अस्थायी ढांचा भी बनाया गया है। उन्होंने राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम से सीमांकन और स्थल निरीक्षण कराने की मांग की है ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में 18 मार्च 2024 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लोहण्डीगुड़ा को आवेदन दिया गया था, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सरपंच सुमित्रा भारद्वाज, पूर्व उपसरपंच नरेंद्र भारद्वाज और किसान रूपेन्द्र मांझी को विवाद के कारण परेशान किए जाने का आरोप भी लगाया बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच, सामुदायिक अधिकारों की रक्षा तथा अतिक्रमण प्रमाणित होने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने कहा कि जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।

मनहोरा के आजाद चौक में मां दुर्गा का हवन संपन्न, सुख-समृद्धि की कामना के लिए उमड़े श्रद्धालु

संगम दुर्गा उत्सव समिति के आयोजन में विधि-विधान से हुआ हवन, भक्तिमय माहौल में माता रानी से की गई खुशहाली की प्रार्थना

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मनहोरा के आजाद चौक में संगम दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में विधि-विधान से हवन संपन्न कराया गया। इस दौरान मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर गांव, क्षेत्र और समस्त जनमानस की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की।





हवन कार्यक्रम के दौरान आजाद चौक का वातावरण भक्तिमय बना रहा। मां दुर्गा के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखने को मिला। धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से लोगों ने माता रानी से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने तथा परिवारों में खुशहाली की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में पुरोहित संजय पांडे एवं पंडा बृजलाल साहू की उपस्थिति में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। आयोजन में महेंद्र साहू, दीपक सेन, शेखर साहू, गोरेलाल साहू, सुनील वर्मा, अजय निषाद, देवेंद्र साहू, सूरज साहू, राधे देवांगन, जीत साहू, कोमल साहू, तुषार साहू, लाली निषाद, खुशबू ध्रुव, ऋतु निषाद सहित समिति के सदस्य एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। संगम दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने गांव में आस्था और भक्ति का माहौल बनाया। ऐसे आयोजन धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ ही सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मां दुर्गा के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने माता रानी से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

तिमेड में कथित जुआ क्लब के निर्माण पर विवाद, विधायक विक्रम मंडावी ने जताया विरोध

निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण, कार्य तत्काल रोकने की मांग

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ- जगदलपुर /बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के भोपालपट्टनम विकासखंड अंतर्गत तिमेड में निर्माणाधीन एक भवन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि यहां कथित रूप से जुआ क्लब संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं, तेलंगाना से जुड़े कुछ कथित लोगों और भोपालपट्टनम के कुछ स्थानीय व्यक्तियों की संलिप्तता होने के आरोप भी सामने आए हैं



मामले की जानकारी मिलने पर बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचे उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और कथित जुआ क्लब के निर्माण को लेकर विरोध जताया विधायक ने संबंधित निर्माण कार्य को तत्काल रोकने की मांग करते हुए मामले की जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया स्थानीय स्तर पर यह मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि भोपालपट्टनम क्षेत्र में पूर्व में रेत, गिट्टी और सागौन की कथित तस्करी को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। अब तिमेड में कथित जुआ क्लब के निर्माण को लेकर नए आरोप सामने आने से प्रशासन की भूमिका पर भी निगाहें टिक गई हैं

तिमेड में निर्माणाधीन भवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है और वहां किस प्रकार की गतिविधियां संचालित करने की योजना है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल, विधायक द्वारा विरोध जताए जाने के बाद मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी संभावित अवैध गतिविधि पर रोक लगाने के लिए ग्रामीणों ने भी मामले की निष्पक्ष जांच तथा नियमानुसार कार्रवाई की आवश्यकता जताई है।

भटगांव में मीना बाजार का पहली बार भव्य आगाज, लंदन सिटी की तर्ज पर सजा मनोरंजन का संसार





जल परी, भूत बंगला और रोमांचक झूलों की धूम, आकर्षक सजावट के साथ सुरक्षा इंतजाम भी खास

जाहिद अंसारी

सूरजपुर/भटगांवः-- जिले के भटगांव में पहली बार आयोजित भव्य मीना बाजार मनोरंजन और आकर्षक सजावट के मामले में अपनी अलग पहचान बना रहा है। दुर्गा मंदिर के पास सजे इस बाजार में 'लंदन सिटी' की तर्ज पर तैयार भव्य प्रवेश द्वार, रंग-बिरंगी रोशनी और मनमोहक सजावट लोगों का ध्यान खींच रही है। जल परी, भूत बंगला और रोमांचक झूलों के आकर्षण ने मेले की रौनक बढ़ा दी है। बच्चों, युवाओं से लेकर परिवारों तक के लिए यह मीना बाजार मनोरंजन का खास ठिकाना बन गया है।

लंदन सिटी की झलक, जल परी और भूत बंगला की धूम- आर.के. एम्यूजमेंट पार्क के संचालक राजीव कुमार द्वारा आयोजित इस मीना बाजार में विभिन्न प्रकार के झूले, मनोरंजक खेल और खानपान की दुकानें सजाई गई हैं। 'लंदन सिटी' की तर्ज पर तैयार प्रवेश द्वार मेले की भव्यता को खास रूप देता है। वहीं जल परी और भूत बंगला जैसे आकर्षण लोगों की उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। रंग-बिरंगी सजावट और मनोरंजन के विविध साधनों के बीच मेले में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिल रहा है।

मनोरंजन के साथ सुरक्षा और सुविधाओं पर जोर- मेले में मनोरंजन के साथ लोगों की सुविधा और सुरक्षा के इंतजाम भी चर्चा में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, परिसर में शौचालय, अग्निशमन यंत्र, आवागमन के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकास द्वार तथा आपात स्थिति में बाहर निकलने के लिए दो आपातकालीन गेट की व्यवस्था की गई है। आयोजन से संबंधित दस्तावेजों में अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता और प्रशासनिक निर्देशों के पालन से जुड़ी शर्तें भी शामिल हैं। बड़े आयोजनों में ऐसी व्यवस्थाएं लोगों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

31 अक्टूबर तक रहेगी मीना बाजार की रौनक- एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित यह मीना बाजार भटगांव में मनोरंजन का नया आकर्षण बनकर सामने आया है। भव्य प्रवेश द्वार, जगमगाती रोशनी, जल परी, भूत बंगला और रोमांचक झूलों के संगम ने इसे खास बना दिया है। भटगांव में पहली बार इस तरह के भव्य मीना बाजार का आयोजन स्थानीय लोगों को मनोरंजन का नया अनुभव प्रदान कर रहा है।

ब्लॉक कॉलोनी में मां दुर्गा की आराधना के साथ भव्य भंडारा, श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

नवयुवक दुर्गा समिति ने नवमी पर नौ कन्याओं को कराया भोजन, क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

बकावंड (जनता के गोठ)। विकासखंड मुख्यालय बकावंड स्थित ब्लॉक कॉलोनी में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नवयुवक दुर्गा समिति द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा।



नवरात्रि की नवमी तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में विधि-विधान के साथ नौ कन्याओं को भोजन कराया गया तथा उनकी पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान माता रानी से क्षेत्र में खुशहाली, शांति और जनकल्याण की प्रार्थना की गई।

श्रद्धालुओं और राहगीरों को बांटा प्रसाद

भंडारे के दौरान नवयुवक दुर्गा समिति के सदस्यों ने मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं, ग्रामीणों और राहगीरों को प्रसाद वितरित किया। लोगों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और धार्मिक आयोजन में उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। आयोजन के चलते ब्लॉक कॉलोनी में दिनभर भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने लोगों में आस्था, श्रद्धा और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत किया। स्थानीय श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

संपादकीय

कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की मिसाल है एनएसजी कमांडोज

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड एनएसजी का 42वें स्थापना दिवस पर पूरे देश को हमेशा गर्व रहता है। अक्षरधाम से मुंबई आतंकी हमले तक, देश के वो 5 बड़े ऑपरेशन, जब एनएसजी ने पलक झपकते ही बदल दिया था पासा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में तैनात एनएसजी कमांडो को आपने जरूर देखा होगा। हमेशा अलर्ट मोड में रहने वाले ये कमांडो सिर्फ पीएम की सुरक्षा ही नहीं देखते बल्कि देश में संकट के समय सबसे बड़ी ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं। इन 'ब्लैक कैट कमांडो' नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने कई आतंकी हमलों को नाकाम किया है. देश के भीतर जब भी कोई संकट आता है तो दुश्मन पर सबसे तगड़ा वार करने में एनएसजी कमांडो ही ना आता है। एनएसजी पर पिछले 42 सालों में हस्त के नाम कई शौर्य गाथाएं लिखी जा चुकी हैं। एनएसजी ने न केवल देश को संकट से उबारा बल्कि दुनिया को भारत के कड़े प्रहार की ताकत दिखाई। 26 नंवबर 2008 की, जब मुंबई में पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने हमला किया. ये वो काली रात थी, जब माया नगरी मुंबई की सड़कों पर गोलियों की तड़तड़ाहट का शोर गूंजने लगा. मुंबई का यह आतंकी हमला भारत के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा हमला था. पाक के 10 आतंकियों ने मुंबई के ताज होटल, ट्राइडेंट होटल और नरीमन हाउस को बंधक बना लिया था. पूरा देश सहमा हुआ था। इस हमले के आतंकियों के खात्मे और आम लोगों को बचाने की जिम्मेदारी एनएसजी को मिली थी। सितंबर 2002 में गुजरात के गांधीनगर में स्थित प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर को आतंकियों ने निशाना बनाया. आतंकी हथियार लेकर मंदिर परिसर में दाखिल हो गए और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे. आतंकियों ने कई श्रद्धालुओं को बंधक भी बनाया. पहले इस हमले से स्थानीय पुलिस बल को कमान दी गई. लेकिन स्थिति गंभीर होने के बाद दिल्ली से एनएसजी कमांडो गांधीनगर पहुंचे और मोर्चा संभाल लिया। पठानकोट एयरबेस हमले के दौरान एनएसजी का ऑपरेशन धंगू सुरक्षा अभियान चलाया था। वहीं अमृतसर आईसी -427 हाइजैक और एनएसजी का ऑपरेशन अश्वमेध को कौन भूल सकता है। वहीं एनएसजी का ऑपरेशन ब्लैक थंडर चला था। करीब 122 से अधिक संदिग्धों को पकड़ा गया था और बिना किसी खून-खराबे के स्वर्ण मंदिर परिसर से चरमपंथियों को बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोस अध्यक्ष ओम बिरला और नितिन गडकरी ने देश के जांबाज 'ब्लैक कैट्स' कमांडो के अदम्य साहस और सर्वोच्च समर्पण को नमन किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की शासन-दृष्टि के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सपा सत्ता में आती है तो माफिया और बदमाश लेकर आती है, जबकि भाजपा विकास और बदलाव लेकर आती है। उनके इस राजनीतिक आकलन को कसारी-मसारी की जमीन एक ठोस संदर्भ देती है। जिस अतीक अहमद का नाम कभी प्रयागराज में राजनीतिक प्रभाव और आपराधिक वर्चस्व का पर्याय था, उसी के कब्जे से मुक्त भूमि पर अब गरीबों के आवास बनने जा रहे हैं।

'कसारी-मसारी' से श्रीकृष्णपुरी'

(प्रणय विक्रम सिंह)

कभी-कभी किसी जमीन पर खड़ी इमारतों से अधिक उसकी खामोश मिट्टी अपने समय की कहानी कहती है। वह बताती है कि किस दौर में ताकतवरों की मनमानी कानून पर भारी पड़ती थी और किस दौर में कानून ने गरीब के अधिकार को ताकत दी।

प्रयागराज के कसारी-मसारी की मिट्टी भी ऐसे ही दो दौर की साक्षी है।कभी यहां माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों का कब्जा था। लगभग 15 बीघे भूमि पर माफिया ने अपना अस्तबल बना रखा था। जिस जमीन पर सामान्य परिवारों के सपने आकार ले सकते थे, वहां दबंगई का प्रदर्शन होता था। अब उसी भूमि पर गरीबों के लिए आशियाने बनने जा रहे हैं। यह बदलाव केवल भूखंड के उपयोग का नहीं, उस व्यवस्था की प्राथमिकताओं का है, जिसमें कभी माफिया का वर्चस्व था और अब जरूरतमंद के अधिकार को महत्व मिल रहा है।

अस्तबल से आशियाने तक- बदलती जमीन, बदलती व्यवस्थाः कसारी-मसारी का अस्तबल केवल घोड़ों का ठिकाना नहीं था। वह उस व्यवस्था पर खड़ा एक सवाल था, जिसमें गरीब अपनी छत के लिए संघर्ष करता रहा और एक बाहुबली ने जमीन के बड़े हिस्से को अपने निजी साम्राज्य का विस्तार बना लिया। आखिर यह दुस्साहस किसके संरक्षण में पनपा? अपराधी की ताकत केवल उसके गुर्गों में नहीं होती, उसे उस व्यवस्था की कमजोरी भी बल देती है, जो कानून से अधिक दबंगई को प्रभावी होने देती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की शासन-दृष्टि के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सपा सत्ता में आती है तो माफिया और बदमाश लेकर आती है, जबकि भाजपा विकास और बदलाव लेकर आती है। उनके इस राजनीतिक आकलन को कसारी-मसारी की जमीन एक ठोस संदर्भ देती है। जिस अतीक अहमद का नाम कभी प्रयागराज में राजनीतिक प्रभाव और आपराधिक वर्चस्व का पर्याय था, उसी के कब्जे से मुक्त भूमि पर अब गरीबों के आवास बनने जा रहे हैं।

जिस जमीन पर कभी माफिया अपनी ताकत का प्रदर्शन करता था, उसी पर अब सरकार गरीबों के लिए घर बना रही है। सत्ता की प्राथमिकताओं का अंतर इससे अधिक स्पष्ट और क्या होगा?: माफिया से मुक्त कराई गई लगभग 9,811 वर्ग मीटर भूमि पर पद्मलोक आवासीय परियोजना के अंतर्गत 191 करोड़ से अधिक की लागत से 602 आवासों के निर्माण का शुभारंभ हुआ है। इस परियोजना ने उस जमीन को एक नई पहचान देने की शुरुआत की है, जो कभी अवैध कब्जे का प्रतीक थी।अब यहां बनने वाला प्रत्येक घर एक परिवार के लिए सुरक्षा, स्थायित्व और स्वाभिमान का आधार बनेगा।

जीरो टॉलरेंस से जनकल्याण तक- कानून की कठोरता, शासन की संवेदनाः इन



आशियानों की नींव से पहले उस अवैध कब्जे को समाप्त करना आवश्यक था, जिसने भूमि को सार्वजनिक उपयोग से दूर रखा था। यहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का जनकल्याणकारी पक्ष सामने आता है। अपराध के विरुद्ध कठोरता का उद्देश्य केवल अपराधी पर अंकुश लगाना नहीं, सामान्य नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना भी है। कानून का राज तभी सार्थक होता है, जब उसके संरक्षण में नागरिक निर्भय होकर जीवन जी सके और सार्वजनिक संसाधन समाज के हित में उपयोग किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में माफियागिरी करने वालों को कठोर चेतावनी देते हुए कहा कि प्रयागराज में अब कोई ऐसा दुस्साहस न करे और यदि कोई करेगा या कराएगा, तो उसे 'मिट्टी में मिलने' की तैयारी कर लेनी चाहिए।अपराध पर अंकुश, अधिकार का संरक्षण और आमजन का उत्थान, सुशासन के ये तीनों आयाम यहां एक-दूसरे से जुड़ते दिखाई देते हैं। कानून की दृढ़ता जब लोककल्याण की संवेदना से जुड़ती है, तभी व्यवस्था में परिवर्तन का लाभ सामान्य व्यक्ति तक पहुंचता है।

श्रीकृष्णपुरी नाम में निहित न्याय और लोकमंगल का संदेशः इस परिवर्तन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक नई सांस्कृतिक पहचान देने का संकल्प भी व्यक्त किया है। उन्होंने घोषणा की कि कसारी-मसारी क्षेत्र को 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित किया जाएगा। यह विचार भौतिक विकास से आगे बढ़कर उस सामाजिक वातावरण की कल्पना करता है, जहां भय के स्थान पर विश्वास और वर्चस्व के स्थान पर न्याय प्रतिष्ठित हो।भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में अन्याय के प्रतिरोध और लोकमंगल की प्रेरणा एक साथ दिखाई देती है। मथुरा में कंस का अत्याचार उस सत्ता का प्रतीक है, जो प्रजा की रक्षा के बजाय उसे भयभीत करती है। कंस के कारागार में जन्म लेने वाले श्रीकृष्ण का जीवन इस विश्वास को दृढ़ करता है कि अन्याय कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका प्रतिरोध संभव है। किंतु उनकी कथा केवल अत्याचार के अंत की नहीं, धर्म की स्थापना और निर्बलों के संरक्षण की भी है।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का उद्घोष है 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥
इस श्लोक की आध्यात्मिक प्रेरणा को आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून की सर्वोच्चता, नागरिक अधिकारों की रक्षा और लोककल्याण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता से जोड़ा जा सकता है।श्रीकृष्ण का जीवन केवल अत्याचार के अंत की कथा नहीं, अत्याचार से मुक्त समाज के निर्माण की प्रेरणा भी है। कंस का अंत एक घटना थी, लेकिन मथुरा को भय से मुक्ति दिलाना उसका व्यापक अर्थ था। इसी प्रकार कसारी-मसारी में माफिया का कब्जा हटना एक प्रशासनिक कार्रवाई है, किंतु वहां गरीब परिवारों के लिए घर बनना उस कार्रवाई को लोकमंगल का स्वरूप देता है।इसी दृष्टि से 'श्रीकृष्णपुरी' का संकल्प केवल नाम की नवीनता नहीं, बल्कि ऐसी बस्ती की आकांक्षा है, जहां हर परिवार सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जी सके।

जहां कभी दहशत थी, वहां अब बचपन मुस्कुराएगाः आने वाले वर्षों में जब इस क्षेत्र में परिवार बसेंगे, तब परिवर्तन की वास्तविक तस्वीर दिखाई देगी। सुबह किसी घर से बच्चे विद्यालय के लिए निकलेंगे, किसी आंगन में तुलसी का पौधा लहलहाएगा, किसी देहरी पर बुजुर्ग बैठकर पड़ोसियों का अभिवादन करेंगे। शाम को काम से लौटते पिता के कदम अपनी चौखट की ओर बढ़ेंगे और त्योहारों पर घरों की रोशनी पूरी बस्ती को आलोकित करेगी।संभव है, इन्हीं घरों में पलने वाला कोई बच्चा एक दिन अपने पिता से पूछे कि यहां पहले क्या था। पिता उसे बताए कि कभी इस जमीन पर माफिया का कब्जा था, यहां घोड़ों का अस्तबल हुआ करता था। फिर कानून ने भूमि को मुक्त कराया और यहां गरीब परिवारों के घर बनाए गए। बच्चा शायद उस पुराने दौर की दहशत को समझ भी न पाए और अपने दोस्तों के साथ खेलने निकल जाए।किसी व्यवस्था की इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि जिस भय को एक पीढ़ी ने सहा, अगली पीढ़ी उसे केवल इतिहास की कहानी के रूप में जाने।'कसारी-मसारी' से 'श्रीकृष्णपुरी' की यात्रा इसी भविष्य की नींव है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस भूमि को माफिया के अवैध कब्जे से मुक्त कराकर गरीबों के आवास निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है, वहां आने वाले वर्षों में सैकड़ों परिवारों का अपना संसार होगा।कल तक जिस जमीन पर घोड़ों की टापें माफिया के वर्चस्व का अहसास कराती थीं, वहां अब बच्चों की किलकारियां गूंजेगी। और तब इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान किसी शिलापट्ट पर लिखा नाम नहीं, बल्कि उन घरों की देहरियों पर मुस्कुराता बचपन होगा।

उत्तराखंडी रामलीलाओं में इस बार कहीं पारंपरिक शैली तो कहीं मेले-कौथिग पर जोर

(पूनम बिष्ट)

उत्तराखंड में पारंपरिक रूप से रामलीला मंचन का समय अमूमन नवरात्र के बजाय खेती का काम पूरा होने के बाद किया जाता है। ये रामलीलाएं गीतों, रागों से सजी भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए जानी जाती हैं जिनके गीत कई लोगों को आज भी जुबानी याद हैं। पहाड़ी रामलीलाओं की ये शैली बहुत हद तक आज भी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रवासी समाज की रामलीलाओं में दिखती है।

शास्त्रीय गायन भी होता है शामिल

रास विहार वेस्ट विनोद नगर में होने वाली कामधेनु रामलीला में रावण और दशरथ का रोल करने वाले जगमोहन रावत बताते हैं, उत्तराखंड की रामलीला (विशेषकर अल्मोड़ा और भीमताली शैली) में रामचरितमानस के दोहों और चौपाइयों का गायन पारंपरिक शास्त्रीय रागों तथा स्थानीय धुनों में किया जाता है। इसमें जिन प्रमुख शास्त्रीय रागों का उपयोग होता है, वे हैं- राग मालकोश, राग बिहाग, राग जैजवंती, राग मांड, राग खमाज, राग काफी, राग सहाना, राग दुर्गा, राग भैरवी, राग परज आदिज! वर्तमान में इस तरह के गायक और कलाकार बहुत मुश्किल से मिलते हैं। ऐसे में इस शैली को बढ़ाने के लिए हमने इस बार रामलीला में ऐसे ही गीतों का समावेश किया है। रासविहार, वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली और गाजियाबाद में इंदिरापुरम में होने वाली



धरोहर रामलीला में यह शैली देखने को मिलेगी।

रावण दहन की परंपरा नहीं

मयूर विहार फेज 3 की कूर्मांचल जन कल्याण एवं सांस्कृतिक समिति हर साल भीमताली शैली में पहाड़ी रामलीला कराती है। समिति के अध्यक्ष प्रयागदत्त जोशी और महासचिव मनोज चतुर्वेदी बताते हैं, इस रामलीला में सभी पात्र समिति के लोग ही हैं। इनमें बच्चों से लेकर महिलाएं सभी हैं। पहाड़ी रामलीलाओं में अमूमन रावण दहन नहीं होता और राज तिलक से ही रामलीला का समापन होता है। ऐसे में हमने समापन के अगले दिन 21 को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रामलीला स्थल पर करने की सोची है। इसी में पात्र परिचय आदि भी होंगे।

दिल्ली में जहां बड़े बजट की रामलीलाओं में नए-नए प्रयोग दिखते हैं, वहीं पहाड़ी सामाजिक संस्थाएं भी अपने स्तर पर नए प्रयोग करने में पीछे नहीं हैं। दिलशाद गार्डन में लगातार 42वें साल रामलीला करवा रहे गढ़वाल भ्रातृ मंडल के सुनील थपलियाल बताते हैं, हम इस बार रामलीला को मेले का स्वरूप देने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में इस बार दर्शकों को झूलों का इंतजाम भी मिलेगा। पिछली बार बारिश की वजह से मंचन में दिक्कत आई थी, इसलिए इस बार वॉटर प्रूफ टेंट का इंतजाम कर रहे।

दर्शकों की चौथी-पांचवीं पीढ़ी भी आती है

किशनगंज जिमखाना ग्राउंड में हर साल गढ़वाल कीर्तन मंडल रामलीला समिति किशनगंज रामलीला कराती है। अध्यक्ष लक्ष्मण ध्यानी बताते हैं, यह रामलीला 68 साल से होती आ रही है। छब्बीलाल ढौंढियाल की किताब के हिसाब से रामलीला होती है। हमारे यहां रामलीला से एक रात पहले सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा जाता है। इसमें चंद्र सिंह राही से लेकर नरेंद्र सिंह नेगी जैसे बड़े-बड़े कलाकार शिरकत कर चुके हैं। हमारे यहां रामलीला में फिल्मी गीत या डांस की जगह ब्रेक में उत्तराखंडी गीत पर प्रस्तुति होती है। समिति के लोगों के साथ ही हमारे यहां सभी समाज के कलाकार प्रतिभागी बनते हैं। जैसे कि सुमित्रा का रोल फिल्मिस्तान से आने वाली मुस्लिम कलाकार निभाती हैं। र

ामलीला से लोगों का लगाव इतना गहरा है कि कई परिवारों की चौथी-पांचवीं पीढ़ी भी यहां हर साल रामलीला देखने आती है, चाहे वे दिल्ली के किसी दूसरे हिस्से में जा बसे हों।

रामलीलाओं की आय बढ़ाने के उपाय हों

स्वयं कई रामलीलाओं से जुड़े गढ़वाल हितैषिणी सभा के महासचिव पवन कुमार मैठाणी कहते हैं, पहाड़ी रामलीलाओं के 13-14 लाख का बजट आज भी पर्ची सिस्टम से निकलता है। हम घर-घर जाकर पर्ची कटवाते हैं। पहले ढाई सौ रुपये की पर्ची कटवाना भी बड़ा माना जाता था मगर आज न्यूनतम राशि भी 1100-2100 की रहती है। पहाड़ी रामलीलाएं वक्त के साथ कमर्शलाइज नहीं हो पाई हैं जिससे वे आयोजन का खर्च ही निकाल पाती हैं और सामाजिक काम के लिए पैसा नहीं बचा पातीं। ऐसे में जरूरी है कि इन्हें मोहल्ले की रामलीला न बनाकर मेले का स्वरूप दिया जाए।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

स्त्री की आजादी पर पहरा क्यों, सुरक्षा के नाम पर कब तक रहेगी कैद?

आजादी के बाद स्थितियां और बदलीं, लेकिन एक मामले में चीजें यथावत रहीं-वह था पुरुष का नियंत्रण। यह पितृसत्तात्मक समाज के बदलाव का दौर था, जिसमें घर के मुखिया ने रक्षा का दायित्व ले रखा था। एक पिता के तौर पर अपनी पुत्रियों को समाज की कुदृष्टि से बचाने का दायित्व पिता का था और समाज के धीमे बदलाव को देखते हुए घर एक तरह से किला बन गया था-एक ऐसा किला, जिसके अंदर स्त्रियां अपने आप को सुरक्षित मानती थीं।

(नीलम सिंह)

जब हम स्त्री की अस्मिता के संघर्ष पर गौर करते हैं, तो सदियों की यात्रा आंखों के सामने दौड़ जाती है कि कैसे सुनियोजित ढंग से यह तय किया गया कि महिलाओं को समाज में कैसे रहना है, कैसे बोलना है और कैसे उठना-बैठना है। धीरे-धीरे समय ने करवट ली और समाज में कई बदलाव हुए। पढ़े-लिखे घरों में महिलाओं को उचित सम्मान मिलने लगा और कुछ हद तक बराबरी का दर्जा भी।

आजादी के बाद स्थितियां और बदलीं, लेकिन एक मामले में चीजें यथावत रहीं-वह था पुरुष का नियंत्रण। यह पितृसत्तात्मक समाज के बदलाव का दौर था, जिसमें घर के मुखिया ने रक्षा का दायित्व ले रखा था। एक पिता के तौर पर अपनी पुत्रियों को समाज की कुदृष्टि से बचाने का दायित्व पिता का था और समाज के धीमे बदलाव को देखते हुए घर एक तरह से किला बन गया था-एक ऐसा किला, जिसके अंदर स्त्रियां अपने आप को सुरक्षित मानती थीं।

हालांकि किले के बाहर की दुनिया उतनी ही असुरक्षित थी। स्कूल जाते वक्त कोई भी आहट पीछा किए जाने का एहसास दिलाती थी और हमेशा एक अनजाना भय बना रहता था। ऐसे में घर की चारदीवारी सबसे सुरक्षित स्थान लगती थी, कैद-ए-हयात की तरह। बाहर निकलते ही दुनिया उतनी ही बदसूरत दिखाई देती। आज के दौर में जब लड़कियां बाहर आई हैं और अपनी आवाज उठा रही हैं, तो इस बात पर



गौर करना जरूरी है कि वे उन्हीं औजारों को लेकर बाहर आई हैं, जिनसे उन्हें कैद करने की साजिश की गई थी। पुरुषों को लड़कियों द्वारा लगाए गए नारों पर बहुत आपत्ति है। बहुत-से सवाल उठ रहे हैं कि क्या पिता और भाई पुरुष नहीं हैं?

यह सच है कि लड़कियों के लिए उनके पिता और भाई केवल पुरुष नहीं हैं, बल्कि वे उनके संरक्षक और आदर्श हैं। उनमें पुरुष की वह दृष्टि नहीं होती, जो स्त्री को वस्तु की तरह देखती है। वे अपनी बेटी या बहन से पुरुष बनकर नहीं, एक भीगी हुई संवेदना और स्नेह की दृष्टि से मिलते हैं। इसलिए इन नारों को यह कहकर खारिज करना कि ये सभी पुरुषों के बारे में हैं, उचित नहीं होगा। ये उन पुरुषों की बात करते हैं, जो लड़कियों को छेड़ते हैं और उनके सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं, जो महिलाओं को सामान की तरह तौलते हैं, जो बलात्कार करते हैं-कभी भाषा के स्तर पर तो कभी शरीर के स्तर पर।

एक स्त्री जब अपनी कैद को खुद की सुरक्षा समझने लगे, किसी पुरुष द्वारा न पीटे जाने को अपना सौभाग्य समझने लगे, तो उस समाज में उसकी स्थिति का आकलन करना मुश्किल नहीं है। सवाल है कि यह आवाज क्यों उठी? क्या यह एक दिन का मामला है? अगर यह केवल एक बलात्कार का मामला होता, तो विरोध में बैठी महिलाएं कभी सड़क से उठ नहीं पातीं। यह आवाज उस घुटन की है, जो वर्षों से पुरुषों के भय के कारण भीतर दबती रही है। किसी का गलत तरीके से छूना, अपशब्द कह देना और अंत में बेहद व्यंग्यात्मक ढंग से क्षमा मांग लेना-क्या इतनी भर ही है किसी महिला की पीड़ा?जिस देश में बलात्कार केवल शरीर से नहीं, भाषा से भी होता हो, उस देश में स्त्री सुरक्षित कैसे हो सकती है? जहां पढ़े-लिखे से लेकर अनपढ़ तक गालियों को अपना औजार मानते हों, किसी महिला को नीचा दिखाना हो, तो उसके चरित्र पर सवाल उठाया जाए और किसी पुरुष को नीचा दिखाना हो, तो उसके घर की महिला को निशाना बनाया जाए। यानी इन सबके केंद्र में स्त्री ही रहेगी। लड़ाई चाहे स्त्री और पुरुष के बीच हो, दो दोस्तों के बीच हो या दो पड़ोसियों के बीच-अपमान का माध्यम महिला को ही बनाया जाएगा।

हाल के दिनों में इस तरह के नारे पहली बार सुनने को मिल रहे हैं। नारों को ध्यान से समझा जाए, तो ज्यादातर नारे सामान्य जनजीवन से आए हैं। इनमें न आध्यात्मिकता का ध्यान रखा गया है, न संस्कार का, न सौंदर्य का और न ही किसी तरह की लाग-लपेट का। इनमें केवल लयात्मकता है-ऐसी लय जो चलती रहे, मगर मारक हो। लड़कियों की मांग है सिर्फ एक सामान्य जीवन। उन्हें देवी नहीं बनना है, उन्हें संस्कारों की अर्थी नहीं ढोनी है। उन्हें केवल एक सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार चाहिए। एक जायदाद की तरह हर वक्त भाई और पिता की पहरेदारी नहीं चाहिए। उन्हें चाहिए एक मुक्त और सुरक्षित जीवन, जो सहज, सामान्य और स्वाभाविक हो।मौजूदा दौर की घटनाएं प्रेशर कुकर की सीटी की तरह हैं। कुकर की सीटी की आवाज तेज और कर्कश होती है, लेकिन किसी कारणवश वह सीटी बजनी बंद हो जाए, तो समझना चाहिए कि कुछ गड़बड़ है या होने वाला है। अगर प्रेशर वाल्व में खराबी आ जाए, तो सीटी तो नहीं बजेगी, बल्कि पूरा कुकर ही फट सकता है। भारतीय समाज में शिव और शक्ति के बीच का संतुलन ही अर्धनारीश्वर की कल्पना का आधार है। अगर यह संतुलन नष्ट हुआ, तो हमारे पौराणिक ग्रंथों में जिस प्रलय की कल्पना की गई है, वह कुछ और नहीं, बल्कि समाज की विशृंखलता के रूप में सामने आ सकता है। बेहतर यही है कि समाज इन नारों को प्रेशर कुकर की सीटी समझे और समय रहते उस संतुलन को कायम करे, जिसमें महिलाओं को उचित स्थान और पूरा मान-सम्मान मिले।

आंगनबाड़ी भर्ती फर्जीवाड़ा: 14 महीने से फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

शंकरगढ़ पुलिस की कार्रवाई, फर्जी अंकसूची के आधार पर नियुक्ति कराने के कथित मामले में चल रहा था फरार

बलरामपुर (जनता के गोठ) : एकीकृत बाल विकास परियोजना कुसमी के अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर फर्जी अंकसूची के आधार पर नियुक्ति कराने के कथित मामले में शंकरगढ़ पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी विष्णु यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को 18 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, परियोजना अधिकारी की शिकायत पर 23 अगस्त 2025 को विकासखंड शंकरगढ़ क्षेत्र में आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर नियुक्ति के लिए कथित रूप से फर्जी अंकसूची तैयार करने और उसके आधार पर नियुक्ति कराने के मामले में अपराध दर्ज किया गया था। थाना शंकरगढ़ में अपराध क्रमांक 115/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्रकरण कायम कर विवेचना शुरू की गई।



सामने- विवेचना के दौरान पुलिस ने कथित फर्जी अंकसूची और अन्य दस्तावेज तैयार करने तथा आपराधिक षड्यंत्र में संलिप्तता के आरोपों के संबंध में नौ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, आठ आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका था, जबकि विष्णु यादव घटना के बाद से फरार चल रहा था।

लगातार पतासाजी के बाद पुलिस ने आरोपी विष्णु यादव, पिता प्रेमशंकर यादव, उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम भैरपुर, थाना चलगली, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर उठे सवाल

आंगनबाड़ी सहायिका जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति में यदि फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल होता है, तो यह भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और पात्र अभ्यर्थियों के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। हालांकि, मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद ही होगी। पुलिस की कार्रवाई के बाद अब प्रकरण की आगे की न्यायिक प्रक्रिया पर नजर रहेगी।

24 करोड़ 20 लाख रू. से होगा निगम क्षेत्र की सड़कों का कायाकल्प, आवागमन होगा सुगम

कोरबा। करोड़ 20 लाख 62 हजार रूपये की लागत से नगर निगम कोरबा क्षेत्र की 20 सड़कों का कायाकल्प किया जायेगा। रविवार को उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एंव महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम केदौरान इन सभी महत्वपूर्ण कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। इस मौके पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यों, पार्षदों, एल्डरमेनगणों, जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में रही। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत अधोसंरचना मद, 15वें वित्त, जिला खनिज न्यास संस्थान मद एवं विधायक मद आदि से कोरबा जोन, टीपीनगर जोन, कोसाबाड़ी जोन, बालको व दर्री जोन तथा सर्वमंगलानगर जोन आदि की विभिन्न 20 सड़कों का डामरीकरण कार्य 24 करोड़ 20 लाख रूपये की लागत से किया जाना हैं। निगम क्षेत्र के कोसाबाड़ी चैक में आज उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित वृहद भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान इन कार्यो का भूमिपूजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, इन सड़कों के डामरीकरण, जीर्णोद्धार व नवनिर्माण से आवागमन सुगम होगा तथा नागरिकों को आने जाने में सुविधा होगी। 1100 करोड़ रूपये के विकास कार्य हुये स्वीकृत - इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है, विगत ढाई वर्षो से ज्यादा के इस कार्यकाल में विभिन्न मदों से 1100 करोड़ रूपये के छोटे-बड़े विकास कार्य स्वीकृत कराये गये हैं। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें जिला खनिज न्यास मद की सौगात दी है, इससे व्यापक रूप से विकास कार्य हो रहे हैं, कोरबा खनन प्रभावित क्षेत्र है, अतः कोरबा के सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास हो, इस पर विशेष फेकस किया जा रहा है। उन्होने कहा कि 24 करोड़ 20 लाख रूपये की लागत से सड़कों के डामरीकरण कार्य का जो कार्य प्रारंभ कराया गया है, उसमें निगम क्षेत्र की 90 प्रतिशत सड़कें कवर हो गयी हैं, शेष सड़कों का भी शीघ्र निर्माण किया जायेगा। उन्होने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में देश का ऐतिहासिक विकास हुआ है तथा राष्ट्रहित में ऐतिहासिक फैसले लिये गये हैं।

बकावंड पंचायत ने भुगतान संबंधी समाचार को बताया भ्रामक, संरपच डमरू मौर्य

सरपंच डमरू मौर्य बोले—सभी भुगतान ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर दर्ज, निर्माण कार्यों का हो चुका है भौतिक सत्यापन

बकावंड जनता के गोठ।ग्राम पंचायत बकावंड में लाखों रुपये के भुगतान को लेकर प्रकाशित समाचार पर पंचायत ने अपना स्पष्टीकरण जारी करते हुए उसे तथ्यहीन, भ्रामक और असत्य बताया है। पंचायत की ओर से जारी खंडन में कहा गया है कि ÷बकावंड पंचायत में लाखों के भुगतान का हिसाब क्या? बिलों से लेकर सोलर पंप तक उठे सवाल÷ शीर्षक से प्रकाशित समाचार में लगाए गए आरोप निराधार हैं।

ग्राम पंचायत बकावंड के सरपंच डमरू मौर्य ने बताया कि पंचायत के समस्त भुगतान ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर नियमानुसार दर्ज हैं। सड़क मरम्मत, पानी टंकी, सोलर पंप और स्टील स्ट्रक्चर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन जनपद पंचायत बकावंड के तकनीकी अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है।



पंचायत में सुरक्षित हैं मूल दस्तावेज

सरपंच के अनुसार, समाचार में उल्लेखित XVFC/2026-27/P/11 और XVFC/2026-27/P/8 सहित अन्य बिलों के मूल अभिलेख, जीएसटी बिल और वाउचर ग्राम पंचायत में सुरक्षित हैं। पंचायत ने फर्जी बिलों से संबंधित आरोपों को भी निराधार बताया है।

स्वीकृत दर पर लगाए गए सोलर पंप स्पष्टीकरण में कहा गया है कि सोलर पंप और पानी टंकी की स्थापना शासन की निर्धारित गाइडलाइन एवं स्वीकृत दरों के अनुसार की गई है। उपयोग की गई सामग्री का विवरण स्टॉक रजिस्टर में दर्ज है और संबंधित कार्य मौके पर मौजूद हैं। ग्राम पंचायत ने संबंधित समाचार का खंडन समान प्रमुखता से प्रकाशित करने का अनुरोध किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि पंचायत की छवि धूमिल होने की स्थिति में मानहानि संबंधी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

रिहायशी इलाके तक पहुंचा भालू, शिव मंदिर के सीसीटीवी में कैद हुई गतिविधि, ग्रामीणों में दहशत

बालोद। जिले के भालूकोन्हा गांव में भालू की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। शनिवार देर रात गांव के तालाब पार स्थित शिव मंदिर परिसर में भालू दिखाई दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी गतिविधियां कैद हो गई। रविवार को भालू को जंगल की ओर जाते हुए भी देखा गया। रिहायशी इलाके के करीब भालू की आवाजाही से ग्रामीणों में भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भालू पिछले करीब एक महीने से भालूकोन्हा गांव और आसपास के क्षेत्र में घूम रहा है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को देकर भालू को पकड़ने की मांग की थी। इसके बावजूद गांव के शिव मंदिर परिसर में उसकी मौजूदगी सामने आने से लोगों की चिंता फिर बढ़ गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, भोजन की तलाश में भालू आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं। इस दौरान घरों में रखे तेल और अन्य खाद्य पदार्थों को खाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। भालुओं की लगातार आवाजाही के कारण लोगों को सतर्क रहना पड़ रहा है। सुरक्षा की चिंता में कई बार ग्रामीण रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं।

बरौदा में आज सजेगी माता रानी की भव्य जस झांकी, महाभंडारे का भी होगा आयोजन

दुर्ग के प्रसिद्ध जस झांकी दल द्वारा रात 7 बजे से होगी भजनों की प्रस्तुति

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

बरौदा। ग्राम बरौदा स्थित बजरंग पारा (पुराना विधानसभा) में श्रद्धा सुमन नव दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में आज, 19 अक्टूबर (सोमवार) को भव्य जस झांकी एवं महाभंडारे का आयोजन किया जा रहा है। जगत जननी मां जगदम्बा की आराधना के इस पावन पर्व पर पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से सराबोर रहेगा।

समिति के सक्रिय सदस्य संदीप कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक अनुष्ठान के तहत आबादी पारा अण्डा (जिला दुर्ग) की सुप्रसिद्ध मंडली 'श्री जय सहोदर राऊत बाबा नरसिंग नाथ



दुर्गा पूजा समिति के मुख्य मंच, बजरंग पारा में प्रारंभ होगा। जस झांकी के भक्ति रसपान के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए महाभंडारे (प्रसाद वितरण) की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

समिति सदस्य संदीप यादव ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं, बहनों और श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार उपस्थित होकर माता के भजनों का आनंद लें और महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

जस झांकी' द्वारा माता के जसगीतों और मनमोहक झांकियों की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी।

यह कार्यक्रम आज रात्रि 07:00 बजे से श्रद्धा सुमन नव

दुर्ग पुलिस के दो जवान शराब के नशे में बस स्टैंड पर मिले , एसपी ने किया निलंबित

सरगुजा में मुल्जिम पेशी ड्यूटी पर गए थे दोनों जवान, वर्दी में शराब सेवन कर जमीन पर सोते मिले

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग - पुलिस के आदेश के अनुसार, 18 अक्टूबर को शाम करीब 5:40 बजे दोनों जवान अंबिकापुर के नए बस स्टैंड पर पुलिस वर्दी में शराब का सेवन करने के बाद जमीन पर सोते हुए पाए गए। घटना को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए दुर्ग के पुलिस अधीक्षक ने दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

आदेश में संबंधित



अधिकारियों को घटना की प्रारंभिक जांच पूरी कर पांच दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सरगुजा जिले में मुल्जिम पेशी ड्यूटी पर गए दुर्ग पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक जीवन प्रकाश एक्का एवं आरक्षक क्रमांक 1223 ऋषिकांत त्रिपाठी को ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। दोनों जवानों को 17 अक्टूबर 2026 को सरगुजा भेजा गया था।

ऊर्जानगर जरही में भक्ति की धूम, विजयादशमी पर जलेगा रावण का पुतला

नौ दिनों तक मां दुर्गा के जयकारों से गूंजा क्षेत्र, 20 अक्टूबर को भव्य रावण दहन देखने उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

जाहिद अंसारी

सूरजपुर/जरही:-- नगर पंचायत जरही के ऊर्जानगर में शारदीय नवरात्र के दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। दुर्गा पूजा आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक उत्सव के बाद अब 20 अक्टूबर 2026 को विजयादशमी पर होने वाले भव्य रावण दहन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।

विजयादशमी पर होगा भव्य आयोजन- विजयादशमी की संध्या पर आयोजित होने वाला रावण दहन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण



रहेगा। इसे देखने के लिए ऊर्जानगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम में भटगांव के मुख्य महाप्रबंधक मनीष कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

अशोक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजन की तैयारी- दुर्गा पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, सचिव इंद्रमन और कोषाध्यक्ष शिवब्रत सिंह के नेतृत्व में आयोजन की तैयारियां की गई हैं। समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य कार्यक्रम को व्यवस्थित और भव्य बनाने में जुटे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारी की गई है।

आस्था, उत्साह और भाईचारे का संगम- ऊर्जानगर का दुर्गा पूजा उत्सव धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। नौ दिनों तक माता के जयकारों से गूंजे क्षेत्र में अब विजयादशमी पर रावण दहन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

नवरात्रि पर विधायक विक्रम मंडावी ने विभिन्न दुर्गा पंडालों में की पूजा-अर्चना

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ जगदलपुर/ बीजापुर शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने बीजापुर नगर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक विक्रम मंडावी ने नगर के राऊत पारा दुर्गा समिति, तहसील पारा दुर्गा समिति, पुराना बस स्टैंड दुर्गा समिति, पुलिस लाइन दुर्गा समिति, शांति नगर दुर्गा समिति तथा डारा पारा दुर्गा समिति के दुर्गा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश और क्षेत्र में शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की।



नवरात्रि के दौरान बीजापुर नगर में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। विभिन्न दुर्गा समितियों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा-अर्चना की जा रही है। पंडालों में श्रद्धालु पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर रहे हैं और परिवार तथा समाज की मंगलकामना कर रहे हैं।

इस अवसर पर विधायक मंडावी ने नवरात्रि पर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहने की कामना की।

विधायक के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचने से श्रद्धालुओं के बीच पर्व को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवरात्रि का यह पावन पर्व आस्था, भक्ति और सामाजिक सद्भाव का संदेश दे रहा है।

'हंसता भारत-स्वस्थ भारत' अभियान के तहत उरकुरा में राहत हास्य योग केंद्र का शुभारंभ किया गया





रायपुर/जनता के गोठ। 'हंसता भारत-स्वस्थ भारत' अभियान के तहत उरकुरा में राहत हास्य योग केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हास्य योग केंद्र भारत एवं अंतरराष्ट्रीय हास्य योग गुरु जितेन कोहि, छत्तीसगढ़ हास्य योग महासंघ रायपुर की पर्यवेक्षिका अंजना मैडम तथा छत्तीसगढ़ हास्य योग के संरक्षक राजू शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता बी.पी. साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हास्य योग महासंघ की शकुंतला जी, वीणा कुंवर जी, उत्तरा जी, सुधा जी, उज्ज्वल, प्रियंका दुबे जी, रेखा चंद्राकर जी, ममता जंधेल, रीना शर्मा जी, खिलेश्वरी जी और अलकेश गिरी सहित विभिन्न हास्य योग केंद्रों के संचालक, सह-संचालक एवं साधक मौजूद रहे। कार्यक्रम में सतगुरु, रानी अवंति बाई और हर-हर महादेव हास्य योग केंद्रों के कर्मठ साधकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस पहल का उद्देश्य हास्य योग के माध्यम से लोगों को स्वस्थ रहने और जीवन में हंसी को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

क्रूरता और अवैध परिवहन पर होगी सख्त कार्रवाई, कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में पशु क्रूरता, अवैध पशु परिवहन और नियमों के उल्लंघन पर अब प्रशासन सख्ती बरतने की तैयारी में है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पशुओं के साथ क्रूरता और अवैध परिवहन के मामलों में तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और पशुपालकों पर कार्रवाई के साथ अवैध परिवहन में इस्तेमाल वाहनों को जब्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कक्ष में पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें पशु कल्याण, अवैध पशु परिवहन की रोकथाम, पशु जन्म नियंत्रण, टीकाकरण और निराश्रित पशुओं के व्यवस्थापन सहित विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई।

अपंजीकृत पशु-मांस दुकानों पर होगी जांच

कलेक्टर ने जिले में संचालित अपंजीकृत पशु एवं मांस दुकानों



का औचक निरीक्षण करने और अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अवैध एवं क्रूरतापूर्ण तरीके से पशुओं का परिवहन करने वालों पर सख्ती बरतने के साथ मुक्त कराए गए पशुओं को निकटतम गौशाला या गौधाम में सुरक्षित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

22 अक्टूबर से रामानुजगंज में संयुक्त अभियान

नगर पालिका परिषद रामानुजगंज क्षेत्र में 22 अक्टूबर से विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम अभियान शुरू करेगी। इसके तहत घुमंतू एवं निराश्रित पशुओं को पकड़ने और उनके समुचित व्यवस्थापन की कार्रवाई की जाएगी। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

आवारा श्वानों का टीकाकरण और नसबंदी पर जोर

बैठक में पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आवारा श्वानों की नसबंदी, रेबीज टीकाकरण और कृमिनाशक दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही डेयरी पशुओं में ऑक्सीटोसिन जैसी प्रतिबंधित दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने और पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए।

हेल्पलाइन का होगा प्रचार-प्रसार

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के प्रावधानों और दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए ब्रोशर एवं पंपलेट वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही निदान 1100 हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया, ताकि लोग पशुओं से संबंधित समस्याओं और शिकायतों की जानकारी प्रशासन तक पहुंचा सकें।

बैठक में पुलिस, पशुधन विकास, स्वास्थ्य, राजस्व विभाग और नगरीय निकायों के अधिकारी तथा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। प्रशासन के इन निर्देशों के बाद अब जिले में पशु क्रूरता की रोकथाम, अवैध परिवहन पर नियंत्रण और निराश्रित पशुओं के व्यवस्थापन को लेकर प्रस्तावित कार्रवाई पर नजर रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

पुर्तगाल में महंगे मकानों और किराये के खिलाफ प्रदर्शन

लिस्बन , एजेंसी। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भी हजारों लोग बढ़ती जीवनयापन लागत, कम वेतन और बड़े शहरों में मकान खरीदने या किराये पर लेने में बढ़ती मुश्किलों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। रिपोर्ट के मुताबिक, पुर्तगाल में मकानों की कीमतें 2017 के बाद से दोगुने से अधिक हो चुकी हैं, जबकि नए किरायेदारी समझौतों के तहत किराये में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। पुर्तगाल के संसदीय मामलों के मंत्री कार्लोस अब्रू अमोरिम ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सड़कों से उठने वाले नारों के दबाव में झुकने वाली नहीं है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं पर उनकी समस्याओं से कटे होने का आरोप लगाया।

अल्बानिया में छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्रालय का घेराव

तिराना , एजेंसी। यूरोप के कई अन्य देशों में बिगड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। अल्बानिया में पिछले लगातार चार दिनों से युवा सड़कों पर हैं। ट्यूशन फीस में वृद्धि, विश्वविद्यालयों में खराब सुविधाएं और पढ़ाई के बाद रोजगार के अवसरों में कमी से भड़के युवाओं ने शनिवार को शिक्षा मंत्रालय का घेराव किया। इस दौरान कई जगहों पर छात्र व सुरक्षा कर्मी भिड़ गए। फ्लेमिंगो रिवोल्यूशन... अल्बानिया की राजधानी तिरना और अन्य शहरों में बड़े पैमाने पर यह आंदोलन 23 मई 2026 से चल रहा है। अक्तूबर मध्य में आंदोलन ने फिर से तेजी पकड़ी। शिक्षा व्यवस्था के अलावा ज्वर्नेक के संरक्षित तटीय क्षेत्र में लग्जरी टूरिज्म प्रोजेक्ट्स और निर्माण के खिलाफ स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता आंदोलनरत हैं। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार और महंगाई पर निशाना साधते हुए अल्बानियाई पीएम एदी रामा के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं।

कनाडा के सैन्य अड्डे पर लगी आग: कई लोगों की मौत



टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित सैन्य अड्डे पर एक गंभीर घटना के बाद भीषण आग लग गई। इस घटना में कई लोगों की मौत हुई है और अन्य घायल हुए हैं। कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने मृतकों और घायलों की संख्या या घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया है।

समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, आग तेज हवाओं के कारण तेजी से फैल रही है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग सैन्य अड्डे की बाड़ पार कर आसपास के इलाके की ओर बढ़ गई थी। कई क्षेत्रों के अग्निशमन दल आग बुझाने के अभियान में जुटे हैं। फिलहाल, प्रशासन ने आसपास के लोगों के लिए किसी तरह का निकासी आदेश जारी नहीं किया है। कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने कहा कि सैन्य अड्डे पर हुई घटना में लोगों की जान गई है और कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा 'मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि सैन्य अड्डे पर हुई घटना के परिणामस्वरूप लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल भी हुए हैं। '

मैकगिन्टी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थिति को बेहद सक्रिय और संवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर हुआ क्या था। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि मामले में आगे और जानकारी दी जाएगी। रक्षा मंत्री के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस भी जांच में शामिल है। वेनराइट के म्युनिसिपल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि शनिवार को आग सैन्य अड्डे की बाड़ पार कर गई और तेज हवाओं के कारण तेजी से फैलने लगी। आग पर काबू पाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से अग्निशमन दल बुलाए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कनाडाई सशस्त्र बलों के साथ संघीय, प्रांतीय और स्थानीय अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं। आसपास के वेनराइट समुदाय की ओर से अस्पताल और अग्निशमन संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अल्बर्टा स्थित सीएफबी वेनराइट सैन्य अड्डे पर आग लगने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक गंभीर घटना के कारण यहां बड़ी आग लगी है।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई का ट्रंप ने किया बचाव, कहा-परमाणु हथियारों का खतरा गंभीर था, इसलिए किया हस्तक्षेप

वाशिंगटन, एजेंसी। नॉर्दर्न केंटकी यूनिवर्सिटी के 'ट्रूइस्ट एरिना' में आयोजित एक रिपब्लिकन चुनावी रैली में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया। ट्रंप ने अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल की सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के जरिए ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता पूरी तरह नष्ट कर दी गई है और तेहरान को दोबारा यह क्षमता विकसित नहीं करने दी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि परमाणु हथियारों से लैस ईरान का खतरा इतना गंभीर था कि अमेरिका के लिए हस्तक्षेप करना जरूरी हो गया था। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि अगर उनके पास होगा तो वे उसका इस्तेमाल करेंगे। '

राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ढांचे को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि यह कार्यक्रम फिर से शुरू न हो सके। उन्होंने कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह दोबारा वापस न आए। ' ट्रंप ने बताया कि सैन्य अभियान



के दौरान उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसी दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे। ट्रंप ने इस कार्रवाई को अपने उस बड़े दावे से भी जोड़ा, जिसमें वे कहते रहे हैं कि उनके नेतृत्व में अमेरिका की सैन्य ताकत फिर से मजबूत हुई है और देश अब अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा कि यह फैसला ऐसे समय में लिया गया, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। राष्ट्रपति ने माना कि इस अभियान के कारण अमेरिका को मध्य पूर्व पर अतिरिक्त ध्यान और संसाधन लगाने पड़े, लेकिन उनका कहना था कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना किसी भी अल्पकालिक आर्थिक प्रभाव से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सैन्य अभियान खत्म होने के बाद ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आएगी।

ट्रंप ने कहा, 'यह बहुत जल्दी खत्म होने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि अभियान समाप्त होने के बाद पेट्रोल की कीमतें पहले के मुकाबले और नीचे आ जाएंगी। अपने भाषण में बाद में ट्रंप फिर इस मुद्दे पर लौटे और इसे अपनी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, 'ईरान के पास न परमाणु हथियार है, न होगा, और कभी नहीं होगा। बात बिल्कुल साफ है।' ट्रंप का कहना था कि इस समस्या का समाधान पहले की अमेरिकी सरकारों को ही कर देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने ईरान का सामना करने के लिए जरूरी दृढ़ता और इच्छाशक्ति दिखाई है।

राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ अभियान को अपनी अन्य विदेश नीति पहलों, जैसे वेनेजुएला और ग्रीनलैंड से जुड़े घटनाक्रमों के साथ भी जोड़ा।

ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा खर्च में बढ़ोतरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार और रिपब्लिकन बहुमत वाली कांग्रेस ने सेना के लिए एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है और देश की रक्षा क्षमताएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा और प्रभाव को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

27 लोगों से भरी नौका समुद्र में पलटी, 11 लापता, एक पर शार्क ने किया हमला

वाशिंगटन , एजेंसी। मेक्सिको से रवाना हुई एक नौका के बाजा कैलिफोर्निया तट के पास पलट जाने के बाद 11 लोग लापता हो गए जिनकी तलाश की जा रही है। शुक्रवार को मेक्सिको के 16 नागरिकों को बचा लिया गया था। इनमें वह व्यक्ति भी शामिल है जो शार्क के काटने से घायल हो गया था। व्यक्ति का इलाज जारी है। अमेरिकी तटरक्षक बल और नौसेना के कर्मी कई विमानों एवं नौकाओं की मदद से समुद्र में लोगों की तलाश कर रहे हैं। मेक्सिको की नौसेना भी इस अभियान में सहायता कर रही है। तटरक्षक बल के अनुसार शनिवार को बाद में एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर भी अभियान में लगाया जाएगा। तटरक्षक बल के अनुसार, नौका ऐसे क्षेत्र में पलटी जहां तस्कर अक्सर सक्रिय रहते हैं। यह घटना अमेरिकी जलक्षेत्र में नहीं हुई। जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका पर 27 लोग सवार थे। तटरक्षक बल के पेटी ऑफिसर चार्ली वैलोर ने शनिवार को कहा, हम मदद कर सकते थे और इसी वजह से हमने अपने संसाधनों को अभियान में लगाया।

बेल्जियम में आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल

ब्रसेल्स , एजेंसी। प्रदर्शनों की आंच बेल्जियम तक भी पहुंची। राजधानी ब्रसेल्स में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। पुलिस का आरोप था कि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर वस्तुएं फेंकीं और आगजनी की। राजधानी के पूर्व में स्थित लीज शहर में भी पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, पुलिस ने वहां प्रदर्शन में शामिल लोगों की संख्या का अनुमान नहीं बताया।

बांग्लादेश में मंत्री ने पिस्तौल लेकर संदिग्ध ड्रग्स अड्डे पर मारा छापा, छिड़ी बहस



ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक मंत्री ने शनिवार को पिस्तौल लेकर अपने सहयोगियों के साथ झुग्गी बस्ती में संदिग्ध ड्रग्स अड्डे पर छापा मारा। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद मंत्री की कार्रवाई को लेकर बहस छिड़ गई। राज्य मंत्री इशराक हुसैन ने वीडियो साझा किया, जिसमें वह एक हाथ में फोन और दूसरे में पिस्तौल लेकर वाहन से उतरते और कुछ लोगों का पीछा करते दिखाई दिए। उनके एक सहयोगी के पास भी हथियार था। पुलिस के अनुसार, मंत्री ने छापे की पूर्व सूचना नहीं दी थी। उन्होंने छह लोगों को पकड़कर स्थानीय पुलिस के हवाले किया। गांडारिया थाने के प्रभारी मोनिरुज्जमान मोनिर ने बताया कि पकड़े गए लोगों के पास से कुछ पाउडर मिला है, जिसकी जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि वह मादक पदार्थ है या नहीं। मंत्री ने वीडियो के साथ दावा किया था कि उन्होंने ड्रग्स अड्डों को ध्वस्त कर आरोपितों को पुलिस के हवाले किया है। हालांकि, इंटरनेट मीडिया पर आलोचना के बाद वीडियो हटा दिया गया। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या किसी मंत्री के लिए इस तरह हथियार लेकर छापा मारना उचित है।

दुनिया में आते ही छागया ये बच्चा... जन्म के कुछ घंटे बाद ही इस नवजात के स्वैग ने लूटा इंटरनेट का दिल



काहिरा, एजेंसी। जन्म के तुरंत बाद नवजात बच्चों के लिए नई दुनिया में ढलना आसान नहीं होता। आमतौर पर इस शुरुआती दौर में बच्चे काफी बेचैन या परेशान नज़र आते हैं। लेकिन मिस्र की राजधानी काहिरा से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। यहां एक नवजात शिशु ने अपनी ऐसी गज़ब की बेफिक्री दिखाई है, जिसे देखकर इंटरनेट की दुनिया हैरान है। काहिरा के बाल रोग विशेषज्ञ और नियोनेटोलॉजिस्ट (नवजात शिशु विशेषज्ञ) डॉ. इस्लाम एल्डिह ने जन्म के बाद की एक प्रक्रिया के दौरान इस नवजात का वीडियो शेयर किया। बच्चे का यह बेहद शांत और रिलैक्स्ड अंदाज़ तुरंत इंटरनेट पर छा गया।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि यह छोटा बच्चा पूरी तरह से बेफिक्र अंदाज़ में लेटा हुआ है। उसके चेहरे पर किसी भी तरह की उलझन या तनाव का नामोनिशान नहीं है। उसे देखकर ऐसा महसूस होता है जैसे उसे बाहरी दुनिया की परवाह ही न हो। उसका यह शांत मिजाज इस बात की गवाही दे रहा था कि उसे जल्दबाज़ी करने या घबराने की कोई ज़रूरत महसूस नहीं हो रही है, मानो उसने जन्म लेते ही जीवन का कोई बड़ा राज़ खोज लिया हो। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आते ही मीम्स और मज़ेदार कमेंट्स की बाढ़ आ गई। यूज़र्स ने अपने-अपने अंदाज़ में कयास लगाने शुरू कर दिए कि आखिर यह बच्चा क्या सोच रहा होगा। जहां कई लोगों ने बच्चे के इस क्यूट और शांत रूप की तारीफ की, वहीं कुछ यूज़र्स ने मज़ाकिया लहजे में लिखा कि शायद इस बच्चे ने अपने भविष्य की पूरी प्लानिंग पहले ही कर ली है और अब वह भविष्य को लेकर बिल्कुल भी तनाव में नहीं आना चाहता।

विशेषज्ञों का मानना है कि नवजात शिशु अलग-अलग समय पर कई तरह के हाव-भाव और रिएक्शन देते हैं, और किसी एक पल की तस्वीर या वीडियो से यह तय नहीं किया जा सकता कि बच्चा असल में क्या महसूस कर रहा है। इसके बावजूद, इस बच्चे के कूल और बेफिक्र अंदाज़ ने इंटरनेट यूज़र्स का दिल जीत लिया है और लोग इस पर जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सऊदी अरब में एएच-6आई टोही हेलीकॉप्टर क्रैश, दो क्रू मेंबर्स की मौत

सऊदी । सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार नजरां में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर जहां दुर्घटनाग्रस्त हुआ हैं वो सऊदी नेशनल गार्ड मंत्रालय के अधिकार वाला क्षेत्र है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि सऊदी अरब के नजरां में एएच6आई टोही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो क्रू मेंबर की मौत हो गई है।



हूती लगातार कर रहे हमला: बता दें कि नजरां के दक्षिण-पश्चिम इलाके पर कई बार हूती विद्रोहियों के हमले हो चुके हैं। गठबंधन और इन उग्रवादियों के समूह के बीच जंग तेज हो गई है। इसके साथ ही ये अमेरिका के लिए भी एक चुनौती बनता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से ईरान और अमेरिका जंग जारी है। इस जंग में हूती विद्रोहियों ने भी अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

हूतियों ने किया हेलीकॉप्टर मार गिराने का दावा: सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के दावे से उलट इधर हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हेलीकॉप्टर को मार गिराने का दावा किया है। शनिवार को सोशल मीडिया एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट में इससे जुड़ा दावा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में बताया कि उनके समूह ने नजरां के पास सऊदी अरब के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि ये हेलीकॉप्टर सीमा के पास हमारे ठिकानों को निशाना बनाने का काम कर रहा था। इस कारण जवाबी कार्रवाई में उसे मार गिराया गया। इस पर सऊदी मेजर जनरल अल-मलिकी ने हूती प्रवक्ता सारी के दावे पर कहा कि हेलीकॉप्टर जल्द ही युद्ध मैदान में होगा। इसके साथ ही उन्होंने कई अपाचे हेलीकॉप्टरों की तस्वीर भी शेयर की है।

पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा: जवाबी कार्रवाई में मारे गए अफगान तालिबान के कई सदस्य

क्यों बढ़ा सीमा पर तनाव

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा में सीमा पर कथित तौर पर बिना उकसावे के की गई गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की। इसमें अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि ताइदा सेक्टर, ऊपरी कुर्रम और घुज गढ़ी इलाकों में गोलीबारी की खबर मिली थी। आरोप है कि अफगान तालिबान ने आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराने में मदद देने के लिए गोलीबारी की।

अधिकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें घुज गढ़ी के सीमा क्षेत्र के पास अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। अपर कुर्रम सेक्टर में पाकिस्तानी बलों ने अफगान तालिबान की टॉपसर चौकी और शिपोला बेस कैंप को निशाना बनाया। अधिकारी ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में शिपोला बेस कैंप पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई के बाद तालिबान के कई जवान कथित तौर पर अपनी सीमा चौकी छोड़कर भाग गए। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन्हें सुनियोजित और सावधानीपूर्वक किए गए हमले बताया था। इन हमलों में प्रतिबंधित संगठन फितना अल-खवारिज से जुड़े कई आतंकवादी मारे गए थे। पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए 'फितना अल-खवारिज' शब्द का इस्तेमाल करती है।

पाकिस्तान में सीमा पार से आतंकवादी हमले बढ़े

2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में सीमा पार से होने वाले आतंकवादी हमलों में तेज बढ़ोतरी हुई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में ऐसे हमले बढ़े हैं। पाकिस्तान में सितंबर 2026 में पिछले 12 वर्षों के दौरान एक महीने में आतंकवादी हमलों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। इस्लामाबाद स्थित स्वतंत्र थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में पूरे देश में 225 हमले दर्ज किए गए। अगस्त में यह संख्या 199 थी। इस तरह हमलों में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

लगातार तीसरे महीने आतंकवादी हमलों की संख्या बढ़ी

पाकिस्तान ने फरवरी 2026 में 'ऑपरेशन गजब लिल-हक' शुरू किया था। इससे कुछ महीने पहले अक्तूबर 2025 में, सीमा के कई स्थानों पर झड़पों के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम पर सहमति जताई थी। कई दौर की बातचीत के बावजूद इस्लामाबाद और काबुल के बीच मतभेद दूर नहीं हुए हैं। दोनों देशों के बीच विवाद की एक बड़ी वजह यह आरोप है कि आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान की जमीन से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं।

पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे आठ लाख लोग, 150 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

पेरिस , एजेंसी। ईंधन की बढ़ती लागत और लगातार बढ़ रही महंगाई के कारण पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसक झड़पें, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं हुई हैं. आयोजकों का दावा है कि देश भर में हुए 110 मार्च में लगभग आठ लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे. प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा कि 150 से अधिक पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं और लगभग 1,200 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

फ्रांस के गृह मंत्री ने उपद्रवियों को 'बेहद हिंसक, कट्टर वामपंथी समूह' बताया. उन्होंने कहा कि ये लोग पुलिस से भिड़ना चाहते थे और इन्होंने सिटी हॉल तथा स्थानीय सरकारी कार्यालयों जैसी सार्वजनिक इमारतों को निशाना बनाया. उन्होंने बताया कि इन समूहों के साथ ऐसे अपराधी भी जुड़ गए थे जो दुकानों में लूटपाट करना चाहते थे. उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर वयस्क हैं. मध्य पेरिस में भी कई जगहों पर घटनाएं हुईं. फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'एक्स'



पर एक संदेश में कहा, 'हमारे गणतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. जिन लोगों ने संपत्ति में तोड़फोड़ की, सरकारी कार्यालयों और व्यवसायों पर हमले किए, और यहां तक कि हमारे टाउन हॉल में लूटपाट भी की, उन पर मुकदमा चलाया जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी. 'मैक्रों ने आगे कहा, 'जो लोग अराजकता फैलाते हैं और जो लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने से रोकते हैं, उनके खिलाफ हम एकजुट होकर खड़े होंगे. ' फ्रांस भर में प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर की गई उस अपील पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें 2018 में सामाजिक अन्याय के खिलाफ शुरू हुए 'येलो वेस्ट' (पीली जैकेट) आंदोलन को फिर से जीवित करने के लिए कहा गया था. प्रदर्शनकारियों ने सरकार के प्रति भारी निराशा और गुस्सा जाहिर किया. हाल के महीनों में पेट्रोल, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी उछाल आया है. ये आंदोलन उसके खिलाफ हैं. कई प्रदर्शनकारियों को चमकीले पीले रंग की जैकेट पहने देखा गया. यह 2018 के प्रदर्शनों का प्रतीक बन गई थीं. एक प्रदर्शनकारी माब्रुक ने कहा, 'हर तरफ निराशा और गुस्से का माहौल है.' वे सभी उम्र के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ मार्च कर रही थीं. सितंबर के मध्य से स्कूलों को बंद कराकर विरोध कर रहे छात्र समूहों ने अपने समर्थकों से उनके साथ जुड़ने की अपील की है.फ्रांस के प्रमुख मजदूर संघों में से एक, सीजीटी ने भी इन प्रदर्शनों का समर्थन किया है. उन्होंने बेहतर वेतन और पेंशन, कम कीमतें, और लोगों की जरूरतों को पूरा करने वाली सार्वजनिक सेवाओं के संरक्षण की मांग की है. पेरिस में, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें कीं. ऐसा उन लोगों को पीछे धकेलने के लिए किया गया, जिन्होंने हुड और मास्क पहन रखे थे और जो प्लेस डे ला रिपब्लिक (पेरिस शहर के केंद्र के उत्तर-पूर्व में) में पुलिस अधिकारियों पर पटाखे, पत्थर और अन्य चीजें फेंक रहे थे.कारों, साइकिलों और अन्य वाहनों से घना काला धुआं उठ रहा था, और कचरे के डिब्बे (ट्रैश बिन) जल रहे थे.



दशहरा के दिन कहां, कितने और कौन से दीये जलाने चाहिए?

हिन्दू पंचांग के अनुसार, इस साल दशहरा 20 अक्टूबर का पड़ रहा है। दशहरा के दिन जहां एक ओर रावण दहन कर भगवान श्री राम की पूजा की जाती है तो वहीं, इस दिन दीये जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में जानते हैं कि दशहरा के दिन कहां, कितने, कब और कौन से प्रकार के दीये जलाना श्रेष्ठ है और क्या हैं उसका महत्व।

दशहरा पर कहां-कहां दीये जलाएं?

दशहरा के दिन दसों दिशाएं पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, पूर्व-उत्तर (ईशान कोण), दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण), पश्चिम-उत्तर (वायव्य कोण), दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य कोण), उर्ध्व (ऊपर की ओर) आदि खुली होती हैं। ऐसे में इस दिन इन दसों दिशाओं में दीये जलाने चाहिए।

कितने दीये जलाएं?

दशहरा पर 10 दीये 10 दिशाओं के होते हैं और 5 दीये पेड़-पौधों यानी कि तुलसी, पीपल, शमी, बरगद और केले आदि के होते हैं। इसके अलावा, एक दीया भगवान श्री राम के आगे जलाना चाहिए। एक दीया घर की रसोई और घर की तिजोरी में भी जलाना शुभ सिद्ध होता है।

कौन से दीये जलाएं?

दसों दिशाओं में जलाने वाले दीये सरसों के तेल के होने चाहिए। पेड़-पौधों केनीचे जलने वाले दीये तिल के तेल के होने चाहिए। वहीं, श्री राम के आगे घी का दीपक जलाएं। घर की रसोई और तिजोरी में अलसी के तेल का दीया जलाना चाहिए क्योंकि अलसी धन आकर्षित करती है।

किस समय दीये जलाएं?

दशहरा के दिन श्री राम के लिए दीया सुबह और शाम पूजा के समय जलाना चाहिए। वहीं, दिशाओं, पेड़-पौधों, रसोई और तिजोरी में जलने वाले दीयों को संध्या के समय सूर्यास्त के बाद जलाना चाहिए। इससे दीया जलाने का दोगुना शुभ प्रभाव घर पर नजर आने लगता है।

विजय दशमी पर करें ये महा उपाय, हर काम में मिलेगी जीत

दशहरा इस साल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशहरा के दिन जहां एक ओर रावण किया जाता है तो वहीं दूसरी ओर श्री राम की पूजा का विधान है। इसके अलावा, ज्योतिष शास्त्र में भी दशहरा को बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है क्योंकि इस दिन दसों दिशाएं खुली होती हैं और शुभता प्रदान करती हैं। दशहरा को विजय दशमी भी कहते हैं। इसी कारण से ज्योतिष में ऐसा बताया गया है कि इस दिन कुछ सरल छोटे-छोटे उपाय करने से हर कम में जीत हासिल की जा सकती है।

दशहरा के उपाय

- दशहरा के दिन घर की उत्तर-पूर्व दिशा में शमी का पौधा लगाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म होगी और सकारात्मकता बढ़ेगी।
- दशहरा के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर जलाएं। इससे शनिदेव का क्रोध शांत होगा और साढ़े साती एवं ढैय्या से राहत मिलेगी।
- दशहरा के दिन घर में सुंदरकांड और रामचरितमानस का पाठ करें। इससे भगवान श्री राम का आशीर्वाद मिलेगा और शुभता आएगी।
- दशहरा के दिन घर में राम दरबार की स्थापना करना भी शुभ माना जाता है। इससे बिगड़े काम भी बनने लगते हैं और ग्रह दोष मिटता है।
- दशहरा के दिन 7 लौंग, 7 कपूर और 5 तेजपत्ते लेकर उन्हें जला लें और फिर उसका धुंआ घर में करें। इससे बुरी नजर उतर जाती है।
- दशहरा के दिन शनिदेव और हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। इससे जीवन के संकट दूर होते हैं और शनि दोष से मुक्ति मिलती है।



नवरात्र की पूर्णता के साथ ही देशभर में विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। विजयादशमी का पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है। विजयादशमी पर्व है संकल्प का कि हम अपने अंतरतम में उपजी बुराइयों पर विजय प्राप्त कर सन्मार्ग पर अग्रसर हो सकें।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा 20 अक्टूबर को

विजयादशमी (दशहरा) हमारा राष्ट्रीय पर्व है, जिसे सभी भारतीय बड़े हर्षोल्लास एवं गर्व के साथ मनाते हैं। आश्विन मास में नवरात्रि का समापन होने के दूसरे दिन यानी दशमी तिथि को मनाया जाने वाला दशहरे का यह पर्व बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन खास कर खरीददारी करना शुभ मानते है, जिसमें सोना, चांदी और वाहन की खरीदी बहुत ही महत्वपूर्ण है। दशहरे पर पूरे दिन भर ही मुहूर्त होते है इसलिए सारे बड़े काम आसानी से संपन्न किए जा सकते हैं। यह एक ऐसा मुहूर्त वाला दिन है जिस दिन बिना मुहूर्त देखे आप किसी भी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाए जाने वाला यह त्योहार विजयादशमी या दशहरा के नाम से प्रचलित है। यह त्योहार वर्षा ऋतु की समाप्ति का सूचक है। इन दिनों चौमासे में स्थगित कार्य फिर से शुरू किए जा सकते हैं। दशहरे के दिन भगवान श्रीराम की पूजा का दिन है। इस दिन घर के दरवाजों को फूलों की मालाओं से सजा दिया है। घर में रखें शस्त्र, वाहन आदि भी पूजा की जाती है। दशहरे का यह त्योहार बहुत ही पावनता के साथ संपन्न किया जाता है। उसके बाद रावण दहन मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना करने के बाद भगवान श्रीराम ने दशहरे के दिन ही लंकापति रावण का वध किया था। वैसे तो रावण बहुत परम ज्ञानी पंडित था, लेकिन अहंकार के चलते उन्होंने माता सीता का हरण किया और लंका ले गए और अशोक वाटिका में कैद करके रखने दुस्साहस किया था। जिसके परिणाम स्वरूप भगवान राम ने हनुमान जी की



सहायता से राक्षसराज रावण पर काबू पाने में सफल हो गए थे।

उन्होंने रावण को युद्ध में परास्त करके उन्हें मुक्ति देने का महान कार्य करके दशमी के दिन को पावन कर दिया। श्रीराम ने रावण के अहंकार को चूर-चूर करके दुनिया के लिए भी एक बहुत मूल्यवान शिक्षा प्रदान की, जिसकी हम सभी को रोजमर्रा के जीवन में बहुत जरूरी है। श्रीराम की यही सीख मानवीय जीवन में बहुउपयोगी सिद्ध होगी। हमें भी अपने जीवन में अहंकार, लोभ, लालच और अत्याचारी वृत्तियों को त्याग कर क्षमारूपी बनकर जीवन जीना चाहिए। भगवान श्रीराम की यह सीख बहुत ही सच्ची और हमें मोक्ष प्राप्ति की ओर ले जाने वाली है।

- भगवान राम-सीता और हनुमान की पूजा-अर्चना की जाती है।
- विजयादशमी पर शमी वृक्ष का पूजन किया जाता है।
- रावण रचित शिव तांडव स्तोत्र से भगवान शिव की आराधना की जाती है।
- इस दिन करोड़ों रुपए की फूलों की बिक्री होती है और लोग अपने घर के दरवाजों फूलों की मालाओं से सजाकर उत्सव मनाते है।
- इस दिन लोग अपनी-अपनी क्षमतानुसार सोना-चांदी, वाहन, कपड़े तथा बर्तनों की खरीददारी करते हैं।
- इस दिन देश भर में रावण के पुतले बनाकर जगह-जगह जलाएं जाते हैं।
- दशहरे के दिन शहर-कस्बों और गांवों में श्रीराम-सीता स्वयंवर प्रसंग, रामभक्त हनुमान का लंका दहन कार्यक्रम, रामलीला का बखान करते हुए राम-रावण युद्ध के साथ रावण दहन किया जाता है।
- इस दिन खास तौर पर गिलकी के पकौड़े और गुलगुले बनाने का प्रचलन है।
- रावण दहन के बाद एक-दूसरे के घर जाकर, गले मिलकर, चरण छू कर बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है और साथ ही शमी पत्तों को एक-दूसरे को बांटा जाता है। ऐसा यह पावन त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

दशहरा के दिन न करें इन चीजों का दान

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा हर साल आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन विजयदशमी यानी कि दशहरा मनाई जाती है। दशहरा का मुख्य कारण भगवान राम द्वारा रावण का वध करना है। रामचरितमानस के अनुसार, भगवान राम ने रावण को मारकर राक्षसों का अंत किया था। दशहरा के दिन शस्त्रों की पूजा करने का भी रिवाज है। यह माना जाता है कि शस्त्रों की पूजा करने से बुरी शक्तियों का नाश होता है। दशहरा नवरात्रि के दसवें और अंतिम दिन मनाया जाता है। नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दशहरा के दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। यह रावण के अहंकार और बुराई पर जीत का प्रतीक है। इतना ही नहीं, दशहरा के दिन सैनिक और पुलिसकर्मी अपने शस्त्रों की पूजा करते हैं।

चमड़े के चीजों का दान

हिंदू धर्म में पशुओं को पवित्र माना जाता है। चमड़ा पशुओं की खाल से बनता है, इसलिए इसे दान करना पशुओं के प्रति सम्मान नहीं दिखाना माना जाता है। दशहरा को शुद्धता और पवित्रता का पर्व माना जाता है। चमड़ा अशुद्ध माना जाता है, इसलिए इसे दान करना शुद्धता के विरुद्ध माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, चमड़े की चीजों का दान करने से अशुभ फल मिलते हैं।

धारदार चीजों का दान

ऐसी मान्यता है कि धारदार चीजें दान करने से घर में कलह, तनाव और असहमति पैदा होती है। यह माना जाता है कि ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और परिवार के सदस्यों के बीच संबंधों को खराब कर सकती हैं। धारदार चीजें दान करने से घर में धन की हानि होती है। माना जाता है कि ये चीजें लक्ष्मी माता को नाराज करती हैं और घर से धन भाग जाता है। धारदार चीजें अशुभ शकुन मानी जाती हैं। इन्हें दान करना या लेना अशुभ माना जाता है और इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

हल्दी का दान

हल्दी को गुरु ग्रह से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि शाम के समय हल्दी दान करने से गुरु ग्रह कमजोर होता है, जिसका असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ सकता है। शाम के समय हल्दी दान करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और घर में क्लेश हो सकता है। हल्दी को शुभ माना जाता है, लेकिन शाम के समय इसे दान करना अशुभ शकुन माना जाता है।



दशहरे पर क्यों बांटी जाती है 'सोना पत्ती' शमी पत्र का पौराणिक और वैज्ञानिक रहस्य

20 अक्टूबर 2026 को दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन रावण दहन के बाद शमी के पत्ते बांटकर लोग एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई देते हैं। आखिर क्या है इस शनि के वृक्ष के पत्तों का महत्व क्यों बांटते हैं इन पत्तों को और इन्हें सोना पत्ती क्यों कहते हैं।

धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताएँ

शनि और शिव का वास: शमी के वृक्ष में शनि देव का वास माना जाता है। दशहरे पर इसकी पूजा और दीपक जलाने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव कम होता है। यह भगवान शिव और श्री गणेश से भी जुड़ा है।

महाभारत काल की कथा: पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान अपने अस्त्र-शस्त्र इसी वृक्ष में छिपाए थे और बाद में कौरवों पर विजय प्राप्त की थी। यही कारण है कि क्षत्रिय वर्ग में विजयादशमी के दिन शस्त्र और शमी पूजन का विशेष महत्व है।

अग्नि का स्वरूप: संस्कृत साहित्य में शमी को 'शमी गर्भ' भी कहा गया है, जिसे अग्नि उत्पन्न करने वाला पवित्र वृक्ष माना जाता है।

'सोना पत्ती' और सामाजिक महत्व

समृद्धि और भाईचारे का प्रतीक: रावण दहन के बाद शमी की पत्तियों को 'सोना पत्ती' मानकर एक-दूसरे को बाँटा जाता है। यह परंपरा सामाजिक सौहार्द, अच्छे संबंधों और आर्थिक समृद्धि का संदेश देती है।

श्रीराम ने बांटा साथ सोना: कहते हैं कि प्रभु श्रीराम ने अयोध्यावासियों को जीत की खुशी में स्वर्ण की भेंट दी थी। इसी परंपरा के तरहत शमी के पत्ते को सोना पत्ती मानकर सभी को बांटा जाता है।

शुभता का संदेश: ग्रामीण क्षेत्रों में इसे किसान और व्यापारी वर्ग समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य का शुभ प्रतीक मानते हैं।

आयुर्वेदीय एवं पर्यावरणीय गुण

वातावरण की शुद्धि: आयुर्वेद में शमी का विशेष स्थान है। इसकी पत्तियाँ हवा को शुद्ध करती हैं। मानसून के अंत में बीमारियों से बचाव और पर्यावरण संतुलन के लिए इसे बेहद लाभकारी माना गया है।

किसानों के लिए प्रत्यक्ष फायदे

फसल की सुरक्षा: खेत की मेड़ पर शमी लगाने से तेज हवाओं और तूफानों से फसलों का बचाव होता है।

पशुओं का चारा और ईंधन: भीषण गर्मी में भी हरा-भरा रहने के कारण यह पशुओं के लिए चारे का काम करता है। इसकी जड़ें काफी गहरी होती हैं, जिससे मिट्टी का पोषण बना रहता है। इन्हीं बहुगुणी, औषधीय और धार्मिक कारणों से बरगद और पीपल की तरह शमी (खेजड़ी) को भी हिंदू धर्म में पूजनीय स्थान दिया गया है।





शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों बाद आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरे पर विजयादशमी का त्योहार मनाया जाता है. इस बार विजयादशमी 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा. इस दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया था. इसी के बाद से दशहरे के दिन रावण के पुतले का दहन असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया जाता है. साथ ही जवारे विसर्जन, शमी और शस्त्र पूजा की जाती है.

दशहरा पर कब करें पूजा और किस समय रावण दहन

विजयादशमी यानी दशहरा पर रावण दहन को लेकर सभी में भारी उत्साह रहता है। हालांकि, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रावण दहन भी एक तय शुभ मुहूर्त में ही किया जाना चाहिए।

सनातन धर्म में असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक के रूप में विजयादशमी यानी दशहरा का पावन पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन देश भर में भगवान राम की जीत की खुशी में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है। बहुत से लोगों के मन में सवाल रहता है कि आखिर रावण दहन का शुभ मुहूर्त क्या है। पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में दशहरा का यह महान पर्व 20 अक्तूबर 2026, मंगलवार को मनाया जाएगा। चूंकि इस दिन नवमी तिथि दोपहर 12:50 बजे समाप्त हो रही है, इसलिए इसके तुरंत बाद दशमी तिथि का आरंभ हो जाएगा। इसी वजह से इस बार दशहरा और रावण दहन दोनों एक ही दिन संपन्न किए जाएंगे।

रावण दहन का सही समय और शाम का मुहूर्त

दशहरा के दिन रावण दहन हमेशा प्रदोष काल और सूर्यास्त के समय करना सबसे उत्तम माना जाता है।
पंचांग के अनुसार, 20 अक्तूबर को सूर्यास्त शाम 05:47 पर होगा। इसलिए रावण दहन का सबसे उत्तम समय शाम 05:47 से रात 08:23 के बीच रहेगा।

शस्त्र पूजा और अपराजिता पूजन का विशेष विधान

विजयादशमी के दिन मां दुर्गा और भगवान श्रीराम की पूजा के साथ-साथ शस्त्रों की पूजा करने का भी विधान है। इसके अलावा ईशान कोण में जाकर अपराजिता पौधे की पूजा करना और शमी के पेड़ के दर्शन करना जीवन में विजय और सफलता का प्रतीक माना जाता है।

दशहरे के दिन नीलकंठ पक्षी के दर्शन का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दशहरा के दिन नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना बेहद शुभ और भाग्यशाली माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन नीलकंठ के दर्शन से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर होते हैं और उसके रुके हुए कार्य तेजी से पूरे होने लगते हैं।

बुराई का त्याग और जीवन में नई शुरुआत का संकल्प

बाहरी रूप से रावण के पुतले को जलाने के साथ ही यह पर्व हमें अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और बुराइयों का त्याग करने की प्रेरणा देता है।
दशहरा का असली संदेश यही है कि हम सच्चाई और सदाचार के मार्ग पर चलकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में गूंजे माता के जयकारे शारदीय नवरात्रि पर हुआ भव्य कन्या पूजन व भोज



कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में महिला मोर्चा ने विधि-विधान से कराया नौ कन्याओं को भोज, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर राजधानी स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय 'कुशाभाऊ ठाकरे परिसर' में भक्ति, आस्था और श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिला। भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में प्रदेश कार्यालय में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य कन्या पूजन एवं कन्या भोज का गरिमामय आयोजन किया गया। इस दौरान नौ कन्याओं को मां आदिशक्ति के



नौ स्वरूपों के रूप में पूजते हुए उनके चरण पखारे गए, विधिवत तिलक लगाकर आरती उतारी गई और श्रद्धापूर्वक सुरुचिपूर्ण भोज कराकर उनका आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कन्या पूजन कर छत्तीसगढ़ की सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।

इस पावन अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि नवरात्रि केवल आराधना का पर्व नहीं, बल्कि मातृशक्ति के प्रति कृतज्ञता और शक्ति के संचय का महापर्व है। उन्होंने कहा कि हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति में अनादि काल से कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूप माना गया है। कन्या पूजन भारतीय जीवन मूल्यों और उस सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है, जो समाज में नारी शक्ति के सर्वोच्च सम्मान का संदेश देती है।

इस भक्तिमय अनुष्ठान में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और महिला मोर्चा के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की। आयोजन में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज तथा सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी ने भी कन्याओं का वंदन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी एवं प्रदेश महामंत्री श्रीमती शीतल नायक की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता द्वय श्रीमती शताब्दी पांडे व डॉ. किरण बघेल, अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती ममता साहू, हेमलता चंद्राकर, मीरा पतकी, संगीता शर्मा, पुष्पलता चौहान, मिली बैनर्जी, तिलेश्वरी धुरंधर, विद्या पांडेय, वंदना राठौड़, नीतू सिंह, प्रीति परगनिया, शीलू साहू, नीतू कोठारी सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सुरक्षित शल्य चिकित्सा और बेहतर उपचार में एनेस्थीसिया विशेषज्ञों की भूमिका अत्यंत अहम: विधायक पुरन्दर मिश्रा

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ



रायपुर। आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में मरीजों की सुरक्षित शल्य चिकित्सा और उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने में एनेस्थीसिया (निश्चेतना) विशेषज्ञों की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान है। यह बात रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने होटल बेबीलॉन इन में 'विश्व एनेस्थीसिया दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्री मिश्रा ने चिकित्सा जगत से जुड़े सभी विशेषज्ञों और चिकित्सकों के सेवाभाव, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी सफल ऑपरेशन और गंभीर उपचार प्रक्रिया में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की सजगता सबसे अहम कड़ी होती है। मरीज की शारीरिक स्थिति की निरंतर निगरानी करने से लेकर जटिल शल्य चिकित्सा के दौरान उनकी सुरक्षा को पुख्ता करने तक, ये विशेषज्ञ सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी निभाते हैं। चिकित्सा सेवा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल एक पेशा नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा का सबसे पवित्र और श्रेष्ठ माध्यम है। चिकित्सकों का अनुभव, गहन ज्ञान और मानवीय दृष्टिकोण न केवल मरीजों को नवजीवन देता है, बल्कि आम जनमानस में समूची स्वास्थ्य प्रणाली के प्रति विश्वास को भी मजबूती प्रदान करता है।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने विश्व एनेस्थीसिया दिवस के अवसर पर सभी एनेस्थीसिया विशेषज्ञों, वरिष्ठ चिकित्सकों एवं समस्त स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ, सबल और खुशहाल समाज की नींव रखने में चिकित्सा बिरादरी का योगदान अतुलनीय है, और उनके इस निस्वार्थ योगदान का सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

बीएसपी के निजीकरण को लेकर कांग्रेस फैला रही भ्रम, कर्मचारियों के हितों से कोई समझौता नहीं: भाजपा

नगरीय निकाय चुनाव में सियासी लाभ के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कर रहे अनर्गल बयानबाजी, अफवाह फैलाने वालों पर दर्ज हो एफआईआर : सांसद लक्ष्मी वर्मा

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के निजीकरण की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कांग्रेस पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद वर्मा ने कहा कि लगातार हार की हताशा और आगामी नगरीय निकाय चुनाव में राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए कांग्रेस जनता के बीच भ्रम और झूठ का जाल फैला रही है।

सांसद लक्ष्मी वर्मा ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और भिलाई इस्पात संयंत्र के निजीकरण की केंद्र सरकार की न तो कोई नीति है और न ही कोई मंशा। इस संदर्भ में सेल प्रबंधन द्वारा पहले ही आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया जा चुका है। बीएसपी कर्मचारियों और उनके परिजनों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि वे किसी भी तरह के भ्रम या बहकावे में न आएं। बीएसपी छत्तीसगढ़ का गौरव और 'मिनी भारत' की पहचान है; केंद्र व राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों, अधिकारों और सुविधाओं के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने देगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सोशल मीडिया व सार्वजनिक बयानों के जरिए बीएसपी को लेकर उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस अब केवल झूठ और तुष्टीकरण की राजनीति पर उतर आई है। उन्होंने मांग की कि सेल प्रबंधन और केंद्रीय इस्पात मंत्रालय ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल एफआईआर (स्वढ्ढक्र) दर्ज कराए, जो बिना किसी प्रमाण या तथ्य के देश के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रमों की छवि धूमिल करने और कर्मचारियों को डराने का दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने चुनौती दी कि यदि कांग्रेस के पास कोई प्रामाणिक दस्तावेज हैं, तो वह केवल बयानबाजी करने के बजाय उन्हें जनता के सामने प्रस्तुत करे। श्रीमती वर्मा ने जनसंघ के संस्थापक व तत्कालीन उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विजन का स्मरण करते हुए कहा कि उनके सिद्धांतों पर ही देश के उद्योगों की नींव रखी गई थी, जिसमें श्रमिकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 'अंत्योदय' और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ काम कर रही है, जबकि कांग्रेस केवल देश की आर्थिक नींव को कमजोर करने के एजेंडे पर चल रही है। इस पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता द्वय शताब्दी पांडेय व डॉ. किरण बघेल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी तथा प्रदेश महामंत्री शीतल नायक मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

दीपावली से पहले धान खरीदी शुरू करे सरकार, वरना किसानों को मिले एक एकड़ का अग्रिम भुगतान : दीपक बैज

- तैयारियों में देरी और तारीख तय न होने पर कांग्रेस ने साधा निशाना, 1 नवंबर से खरीदी शुरू करने की मांग

- पटवारी हड़ताल से अटका गिरदावरी और पंजीयन; कांग्रेस ने धान का दाम 3358 रुपये प्रति क्विंटल देने की उठाई आवाज

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ



रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने साय सरकार से मांग की है कि दीपावली से पहले प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि यदि शासन स्तर पर खरीदी की तैयारी में कोई अड़चन है, तो सरकार तत्काल प्रत्येक किसान के बैंक खाते में कम से कम एक एकड़ के धान की अग्रिम राशि का भुगतान करे, ताकि अन्नदाता साल का सबसे बड़ा पर्व उत्साह के साथ मना सकें। यह राशि बाद में वास्तविक धान खरीदी के दौरान समायोजित की जा सकती है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला द्वारा जारी बयान में पीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि दीपावली पर जब कर्मचारियों और कामगारों को बोनस व अग्रिम राशि देने की सुदृढ़ परंपरा है, तो किसानों को खाली हाथ रखना उनके साथ अन्याय होगा। 1 नवंबर यानी राज्य स्थापना दिवस तक किसानों की फसल खलिहानों में तैयार हो जाती है और राज्य गठन के बाद से ही 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने की स्वस्थ परंपरा रही है। बावजूद इसके, सरकार ने अब तक खरीदी की आधिकारिक तारीख तक घोषित नहीं की है, जिससे ग्रामीण अंचल में गहरी चिंता और असमंजस का माहौल है।

जमीनी तैयारियां अधूरी, पटवारी हड़ताल से पंजीयन ठप

दीपक बैज ने जमीनी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंडियों और सोसायटियों में बुनियादी इंतजामात नदारद हैं। न बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था हुई है और न ही धान उठाव के लिए परिवहन अनुबंध किए गए हैं। दूसरी ओर, प्रदेश भर में पटवारियों की हड़ताल के चलते गिरदावरी, फसल का भौतिक सत्यापन (पीवी पोर्टल) और किसान पंजीयन का कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है। सरकार इस हड़ताल को खत्म कराने के लिए कोई ठोस पहल नहीं कर रही, जिसका सीधा खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

3358 प्रति क्विंटल धान का मूल्य दे सरकार

धान के मूल्य को लेकर बैज ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में कुल ?258 की वृद्धि की है। वर्ष 2023 में भाजपा ने ?3100 प्रति क्विंटल का वादा किया था। ऐसे में केंद्र की बढ़ोत्तरी को जोड़कर किसानों को ?3358 प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाना पूरी तरह न्यायसंगत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धान खरीदी को जानबूझकर 15 दिन विलंब से शुरू करने की रणनीति अपना रही है, ताकि कम से कम उपज खरीदनी पड़े। पिछले वर्ष भी टोकन, रकबा कटौती और सत्यापन जैसी दिक्कतों के कारण लाखों किसान अपनी उपज बेचने से वंचित रह गए थे।

बस किराये में भारी बढ़ोतरी जनता पर अत्याचार, एक साल में 75 प्रतिशत तक बढ़े दाम: कांग्रेस

विष्णुदेव साय सरकार के निर्णय को बताया जनविरोधी, साधारण बसों का किराया ?1.25 से बढ़ाकर ?1.75 प्रति किमी करने का कड़ा विरोध; तत्काल वापसी की मांग

तरुण बन्छोर- जनता के गोठ



रायपुर। छत्तीसगढ़ में यात्री बसों के किराये में की गई भारी वृद्धि को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य की भाजपा (विष्णुदेव साय) सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस ने इस फैसले को आम जनता पर सीधा अत्याचार और पूरी तरह जनविरोधी करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पिछले एक साल के भीतर दो बार में कुल 75 प्रतिशत तक बस किराया बढ़ा दिया है, जिससे महंगाई से जूझ रही जनता पर भारी आर्थिक बोझ आ पड़ा है।

प्रवक्ता वंदना राजपूत ने परिवहन विभाग की नई दरों का ब्यौरा देते हुए कहा कि साधारण बसों का किराया 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर से सीधे बढ़ाकर 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। प्रति किलोमीटर 50 पैसे यानी करीब 40 प्रतिशत की यह एकमुश्त बढ़ोतरी केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे लाखों गरीब, मजदूर, किसान, कर्मचारी और मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब पर सीधा डाका है। त्योहारों के समय लिए गए इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि जब लोग दीपोत्सव व अन्य पर्वों पर अपने परिजनों से मिलने और आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करते हैं, उस समय सरकार ने सफर को और महंगा कर दिया है। उन्होंने सवाल किया कि रोज काम पर निकलने वाला मजदूर, कोचिंग व कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी और छोटे व्यापारी बढ़ती महंगाई के बीच बढ़ा हुआ किराया कहां से वहन करेंगे? सरकार एक तरफ जनकल्याण के दावे करती है और दूसरी तरफ आम नागरिक की बुनियादी आवागमन सुविधाओं को ही महंगा कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि राज्य सरकार इस जनविरोधी किराया वृद्धि की तत्काल समीक्षा करे, आम यात्रियों पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का सार्वजनिक आकलन प्रस्तुत करे और बढ़ी हुई दरों को अविलंब वापस ले। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार बस संचालकों की समस्याओं का समाधान पारदर्शी नीति से करे, लेकिन उसकी पूरी भरपाई आम जनता की जेब काटकर करना कतई स्वीकार्य नहीं है।

गरबा महोत्सव सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक है। नवरात्रि केवल देवी आराधना का पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं के सामर्थ्य, सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने का अवसर भी है। राज्य सरकार माताओं-बहनों की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति और सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के पंडालों में पहुंचे। इसके बाद उन्होंने हुकुम ललित महल में आयोजित 'रास गरबा विथ भजन डांडिया', रामबाग के रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में आयोजित 'सोरठी रंग रंगीलो' और शंकर नगर के बीटीआई मैदान में आयोजित 'संकल्प गरबा' में भाग लिया। विभिन्न आयोजनों में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। महिलाओं का सम्मान और उनका आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना परिवार तथा समाज की प्रगति के लिए आवश्यक है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। इससे महिलाएं अपनी घरेलू जरूरतों और अन्य आवश्यकताओं के संबंध में निर्णय लेने में अधिक सक्षम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 14 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह महिलाओं की मेहनत, उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता का प्रमाण है।

रायपुर में भरतनाट्यम प्रतियोगिता में प्रियांशु सिंह देव ने हासिल किया प्रथम स्थान

शास्त्रीय नृत्य की उत्कृष्ट प्रस्तुति से किया प्रभावित, गुरु डॉ. जी. रतीश बाबू के मार्गदर्शन में हासिल की उपलब्धि

रायपुर/जनता के गोठ। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को समर्पित राष्ट्रीय स्तर की नृत्य प्रतियोगिता में प्रियांशु सिंह देव ने अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आर्ट एंड इंडियन डांस एसोसिएशन (ढ्ढष्ठ) के तत्वावधान में रायपुर, छत्तीसगढ़ में 16 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली कलाकार अपनी नृत्य-कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के तृतीय दिवस भरतनाट्यम की ओपन एज कैटेगरी में प्रियांशु सिंह देव ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायकों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया तथा प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

शास्त्रीय मुद्राओं, लय-ताल और भावाभिनय का शानदार समन्वय- प्रतियोगिता के तृतीय दिवस मंच पर प्रस्तुत प्रियांशु सिंह देव की भरतनाट्यम प्रस्तुति शास्त्रीय नृत्य की बारीकियों, अनुशासन और कलात्मक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण रही। उनकी प्रस्तुति में शास्त्रीय मुद्राओं की शुद्धता, लय-ताल का सटीक सामंजस्य, भावाभिनय की सजीवता तथा अंग-संचालन की दक्षता का प्रभावशाली समन्वय





देखने को मिला। प्रियांशु ने अपनी नृत्य-कला के माध्यम से भरतनाट्यम की पारंपरिक गरिमा और उसकी विशिष्ट अभिव्यक्ति को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी सधी हुई नृत्य-शैली, भावों की स्पष्टता और ताल के अनुरूप गतियों ने प्रस्तुति को आकर्षक बनाया। शास्त्रीय नृत्य के प्रति उनकी समझ, नियमित अभ्यास और मंच पर आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्ति उनकी प्रस्तुति में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। भरतनाट्यम जैसे अनुशासित शास्त्रीय नृत्य में शारीरिक संतुलन, मुद्राओं की शुद्धता, लय की समझ और भावों की अभिव्यक्ति का विशेष महत्व होता है। इन सभी पहलुओं के संतुलित प्रदर्शन के साथ प्रियांशु सिंह देव ने अपनी कला का प्रभावशाली परिचय दिया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा को सिद्ध किया।

गुरु डॉ. जी. रतीश बाबू के मार्गदर्शन में कर रहे हैं नृत्य-साधना- प्रियांशु सिंह देव नृत्यार्थी कलाक्षेत्रम के गुरु डॉ. जी. रतीश बाबू के मार्गदर्शन में भरतनाट्यम की साधना कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि को निरंतर अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और गुरु के कुशल प्रशिक्षण का परिणाम माना जा रहा है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि इसके लिए निरंतर साधना, तकनीकी दक्षता, भावों की गहरी समझ और गुरु के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण भी आवश्यक होता है। प्रियांशु की इस सफलता में उनकी मेहनत और नृत्य के प्रति समर्पण के साथ-साथ गुरु डॉ. जी. रतीश बाबू के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका है। गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय शास्त्रीय कलाओं की आधारशिला रही है। इसी परंपरा के अंतर्गत शिष्य अपनी कला को निखारते हुए नृत्य की तकनीकी बारीकियों, सांस्कृतिक मूल्यों और शास्त्रीय अनुशासन को आत्मसात करते हैं। प्रियांशु की उपलब्धि इस निरंतर कला-साधना की सार्थकता को भी रेखांकित करती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com